सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड पुतिन संग नरेंद्र मोदी की 'कार डिप्लोमेसी'...>Pg12
नगर निगम में बाबू सहित दो जेई के निलंबित...>Pg03

मूल्य: 2 ₹

उत्तर प्रदेश के लाखों आउटसोर्स कर्मियों को योगी सरकार से मिलेगा बड़ा तोहफा

वेतन बढ़ोत्तरी का बजेगा बिगुल

लोकभवन में सीएम योगी लॉन्च करेंगे यूपी आउटसोर्स सेवा निगम, लोगो, वेबसाइट और डिजिटल पोर्टल

मानदेय वृद्धि, पारदर्शी भर्ती और सामाजिक सुरक्षा को लेकर बड़ी घोषणाओं की उम्मीद

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों, निगमों, निकायों, अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों और कार्यालयों में आउटसोर्स व्यवस्था के तहत कार्यरत लाखों कर्मचारियों के लिए बुधवार का दिन ऐतिहासिक साबित हो सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजधानी स्थित लोकभवन में आयोजित विशेष कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (यूपीसीओएस) की औपचारिक शुरुआत करेंगे। इस अवसर पर निगम का लोगो जारी किया जाएगा, साथ ही इसकी वेबसाइट और एकीकृत डिजिटल पोर्टल का शुभारंभ भी होगा। सबसे अधिक निगाहें मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तावित मानदेय वृद्धि और नई सेवा व्यवस्था से जुड़ी घोषणाओं पर

MDUPCOS/2026
upcosoffice.lko@gmail.com

टिकी हुई हैं।

प्रदेश सरकार लंबे समय से आउटसोर्स व्यवस्था में सुधार की दिशा में काम कर रही थी। विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मियों की शिकायत रही है कि उन्हें अलग-अलग एजेंसियों के माध्यम से असमान वेतन, भुगतान में देरी और सेवा शर्तों की अस्पष्टता जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। नई व्यवस्था का उद्देश्य इन विसंगतियों को दूर करते हुए भर्ती, तैनाती, उपस्थिति, वेतन भुगतान और वैधानिक लाभों को एकीकृत करना है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, प्रदेश में स्वास्थ्य, शिक्षा, सचिवालय, नगर निकाय, परिवहन, राजस्व और अन्य विभागों में बड़ी संख्या में कर्मचारी आउटसोर्सिंग के माध्यम से सेवाएं दे रहे हैं। इनमें कंप्यूटर ऑपरेटर, डाटा एंट्री ऑपरेटर, तकनीकी कर्मचारी, सुरक्षा कर्मी, सफाई कर्मचारी, लेखाकार और अन्य श्रेणियों के कार्मिक शामिल हैं। लंबे समय से ये कर्मचारी न्यूनतम मानदेय में वृद्धि तथा सेवा सुरक्षा की मांग उठा रहे थे। लोकभवन में होने वाले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नई व्यवस्था की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे। माना जा रहा है कि कम मानदेय पर कार्य कर रहे कर्मचारियों को विशेष राहत दी जा सकती है। हालांकि बढ़ोतरी की वास्तविक दर और लागू होने की तिथि की जानकारी आधिकारिक घोषणा के बाद ही स्पष्ट होगी। हाल के महीनों में परिवहन निगम समेत कुछ विभागों में आउटसोर्स कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि के फैसले लिए जा चुके हैं, जिससे

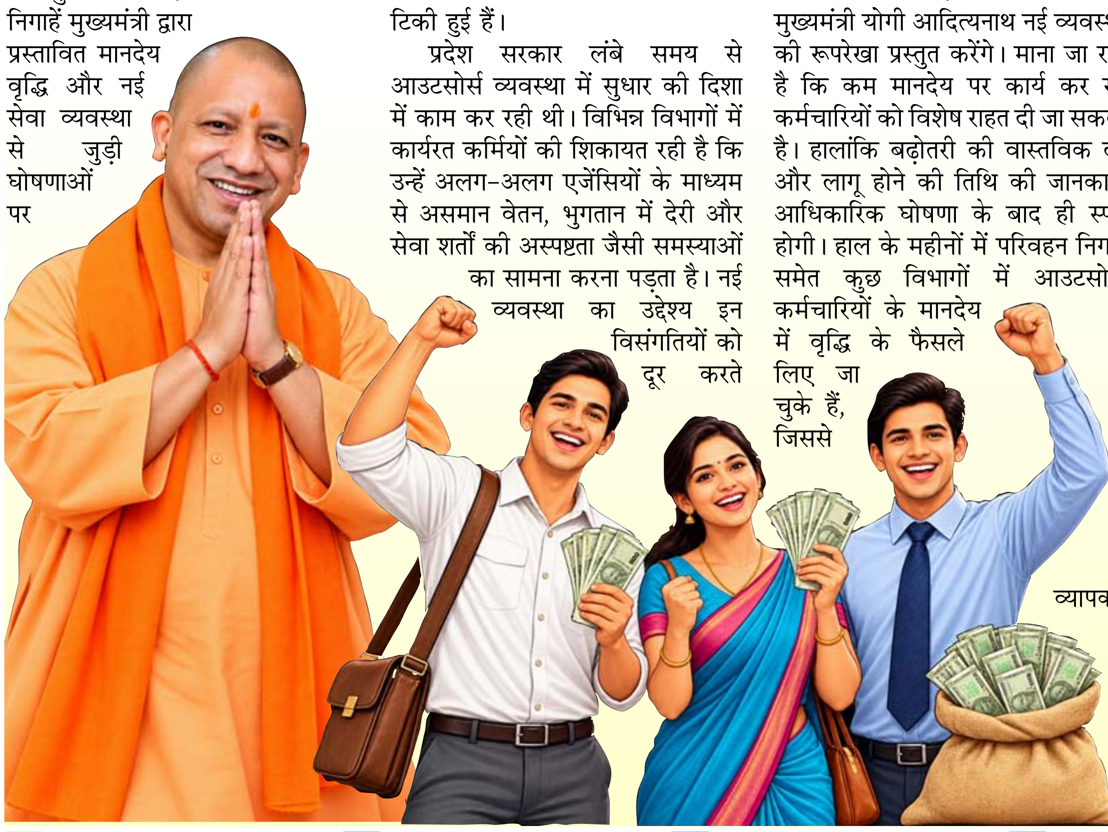

व्यापक स्तर पर सुधार की संभावना और मजबूत हुई है।

उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का पोर्टल कर्मचारियों, एजेंसियों और विभागों को एक ही डिजिटल मंच पर लाएगा। निगम की वेबसाइट के अनुसार इस प्रणाली के माध्यम से भर्ती, चयन, तैनाती, उपस्थिति, वेतन वितरण, ईपीएफ, ईएसआईसी और शिकायत निस्तारण जैसी प्रक्रियाओं का ऑनलाइन संचालन किया जाएगा। इससे कर्मचारियों को अपने वेतन और सेवा रिकॉर्ड की जानकारी सीधे उपलब्ध हो सकेगी।

सरकार का मानना है कि डिजिटल व्यवस्था लागू होने से आउटसोर्सिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और बिचौलियों की भूमिका कम होगी। विभागों द्वारा मैनपावर की मांग से लेकर चयन और भुगतान तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होने से जवाबदेही तय करना आसान होगा। कर्मचारियों को समय पर वेतन और सामाजिक सुरक्षा लाभ उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।

राज्य सरकार के इस कदम को 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले कर्मचारियों के बड़े वर्ग को राहत देने वाली पहल के रूप में भी देखा जा रहा है। आउटसोर्स कर्मियों की संख्या लाखों में होने के कारण इसका सामाजिक और आर्थिक प्रभाव व्यापक रहने की संभावना है। यदि मानदेय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की घोषणा होती है तो इसका सीधा लाभ कर्मचारियों के परिवारों तक पहुंचेगा और उनकी क्रय शक्ति में वृद्धि होगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि केवल वेतन वृद्धि ही नहीं, बल्कि सेवा शर्तों का मानकीकरण और डिजिटल निगरानी प्रणाली अधिक महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। इससे भविष्य में आउटसोर्स कर्मचारियों के अधिकारों और सुविधाओं को लेकर स्पष्ट व्यवस्था विकसित होगी। कर्मचारियों को ईपीएफ और ईएसआईसी जैसे वैधानिक लाभों का बेहतर अनुपालन भी सुनिश्चित किया जा सकेगा।

अब पूरे प्रदेश की नजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा पर टिकी है। वेतन वृद्धि की सीमा, नई भर्ती नीति, सेवा सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा लाभों को लेकर होने वाले फैसले लाखों कर्मचारियों के भविष्य को प्रभावित करेंगे। ऐसे में लोकभवन का यह कार्यक्रम प्रदेश की आउटसोर्स व्यवस्था में बड़े बदलाव की शुरुआत माना जा रहा है।

राहुल गांधी पर मुकदमे के विरोध में कांग्रेसियों का मार्च, पुलिस से झड़प

तिलक हाल से निकले कार्यकर्ताओं को कोतवाली चौराहे पर रस्सा लगाकर रोका, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तराखंड के हल्द्वानी में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के विरोध में कांग्रेसियों ने मंगलवार को तिलक हाल स्थित कांग्रेस कार्यालय से विरोध मार्च निकाला। कोतवाली चौराहे पर पुलिस ने रस्सा लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच काफी देर तक धक्का-मुक्की और रस्साकशी हुई।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता तिलक हाल से मार्च करते हुए कोतवाली चौराहे पहुंचे। वहां एसीपी कोतवाली अमित कुमार पांडेय के नेतृत्व में पुलिस बल ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज मुकदमे को लोकतंत्र विरोधी बताते हुए नारेबाजी की। काफी देर तक चले विरोध के बाद जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसीपी कोतवाली को सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज मुकदमा खारिज करने तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कथित अपमान के मामले में मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई।

संदीप शुक्ला ने आरोप लगाया कि खरगे की सभा के बाद कार्यक्रम स्थल का कथित रूप से शुद्धीकरण कराया जाना दलित विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने इसी घटना को लेकर दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी, लेकिन उनके खिलाफ ही मुकदमा दर्ज कर दिया गया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता ने चेतावनी दी कि दोनों मामलों में कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ा आंदोलन करेंगे।

प्रदर्शन में सतीश दीक्षित, राम चंद्र गुप्ता, ईखलाक डेविड, अंकित कन्नौजिया, कुनकुन खान, शिवम पटवा, संदीप मिश्रा, गुड्डू पाल, एजाज रशीद, शुभम राजपूत, अभिषेक सिंह राजावत, उस्मान सोनू, निखिल गुप्ता, गोविंद यादव, माना यादव, इरफान, हनी सिंह पाल और राजेंद्र बाल्मीकि आदि मौजूद रहे।

VACL: 52 लाख की ठगी में वांछित इनामी इंद्रेश चौहान गिरफ्तार

वीएसीएल इंडिया रियल एस्टेट कंपनी के माध्यम से प्लॉट और इन्वेस्ट के नाम पर हो रही थी ठगी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर थाना पुलिस ने 52 लाख की धोखाधड़ी के मामले में वांछित चल रहे ?15 हजार के इनामी अभियुक्त इन्द्रेश सिंह चौहान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त वीएसीएल इंडिया रियल एस्टेट कंपनी के माध्यम से लोगों को 5 साल में रकम दोगुनी करने और जमीन दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में वांछित था।पुलिस टीम ने सर्विलांस और सटीक सूचना के आधार पर अभियुक्त को सेक्टर-8 स्थित पानी की टंकी के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक उसके खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया।

नेताजी पर टिप्पणी के विरोध में टीयूसीसी ने प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

» दिनेश सिंह भोले ने कहा कि नेताजी के सम्मान में सरकार ने गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक करने, अंडमान के द्वीप का नाम नेताजी के नाम पर रखने और इंडिया गेट पर प्रतिमा स्थापित करने जैसे कदम उठाए

» वरिष्ठ संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस पर भाजपा नेताओं की कथित अपमानजनक टिप्पणियों के विरोध में ट्रेड यूनियन कोऑर्डिनेशन सेंटर (टीयूसीसी) कानपुर मंडल के पदाधिकारियों ने मंगलवार को अपर सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से प्रधानमंत्री को संबोधित दो सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन महासचिव दिनेश सिंह भोले, केंद्रीय सदस्य शरद प्रकाश अग्रवाल, उपाध्यक्ष अरविंद शुक्ला, मंडल उपाध्यक्ष राकेश रावत और अधिवक्ता सचिन सिंह के नेतृत्व में दिया गया।टीयूसीसी ने भाजपा पश्चिम बंगाल अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद समिक भट्टाचार्य तथा राज्यसभा सांसद अनंत महाराज उर्फ नागेंद्र राय की नेताजी को लेकर की गई टिप्पणियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। संगठन का आरोप है कि टिप्पणियों से नेताजी के अनुयायियों की भावनाएं आहत हुई हैं।

ज्ञापन में जापान के रेंकोजी मंदिर में रखी अस्थियों को लेकर भी पुनः जांच की मांग की गई। संगठन ने कहा कि 1999 में गठित न्यायमूर्ति मनोज कुमार मुखर्जी आयोग ने ताइवान से प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर 18 अगस्त 1945 की विमान दुर्घटना के सिद्धांत को खारिज किया था। टीयूसीसी ने आयोग की जांच को पूर्ण कराए जाने और तब तक नेताजी की पुत्री होने का दावा करने वाली अनीता पफ की सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका को स्वीकार न किए जाने की मांग की।दिनेश सिंह भोले ने कहा कि नेताजी के सम्मान में सरकार ने गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक करने, अंडमान के द्वीप का नाम नेताजी के नाम पर रखने और इंडिया गेट पर प्रतिमा स्थापित करने जैसे कदम उठाए हैं। इसी भावना के अनुरूप नेताजी के खिलाफ कथित अपमानजनक बयानों पर रोक लगनी चाहिए।

6 साल बाद भी नहीं बना दुर्दांत विकास दुबे का मृत्यु प्रमाणपत्र

पिता के नाम में गलती बनी अड़चन, कोर्ट के निर्देश पर सीएमओ ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर की जांच पड़ताल

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। बिकरू कांड के मुख्य आरोपी रहे विकास दुबे की मौत के करीब 6 साल बाद भी उसका मृत्यु प्रमाणपत्र नहीं बन सका है। पंचायतनामा में पिता का नाम रामकुमार की जगह राजकुमार दर्ज होने के कारण मृत्यु प्रमाणपत्र जारी नहीं हो पा रहा है।

इस समस्या को लेकर विकास दुबे की पत्नी ऋचा दुबे ने न्यायालय की शरण ली थी। न्यायालय के निर्देश के बाद मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर संबंधित दस्तावेजों की जांच की। उन्होंने मामले में पुलिस अधिकारियों से भी बातचीत की।

सीएमओ ने बताया कि पंचायतनामा और अन्य अभिलेखों की जांच के बाद पुलिस से रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट आने के बाद अभिलेखों में पिता के नाम का आवश्यक सुधार कराया जाएगा। इसके बाद नगर निगम से विकास दुबे का मृत्यु प्रमाणपत्र जारी कराया जा सकेगा।

गौरतलब है कि विकास दुबे 10 जुलाई 2020 को कानपुर के बिकरू कांड के बाद पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। इसके बावजूद अभिलेखों में दर्ज नाम की त्रुटि के चलते अब तक उसका मृत्यु प्रमाणपत्र जारी नहीं हो सका है।

टेंडर घोटाले के खुलासों से नगर निगम में हड़कंप, बाबू सहित दो जेई निलंबित

अधिकारी कर्मचारियों सहित पार्षदों और उनके करीबियों के ठेके लेने से नगर निगम में हितों के टकराव के सवाल, बड़े कमीशनखोरी के भी गंभीर आरोप

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती के बाद कानपुर नगर निगम में विकास कार्यों और टेंडरों की फाइलें खुलने के साथ ही कथित अनियमितताओं के नए मामले सामने आ रहे हैं। टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोपों के बीच नगर निगम में तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ ही कुछ पार्षदों और उनके सगे-संबंधियों के ठेकेदारी में शामिल होने को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

आरोप है कि इस व्यवस्था ने नगर निगम की टेंडर प्रक्रिया में हितों के टकराव की स्थिति पैदा कर दी और कमीशनखोरी का खेल 50 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच गया।

इनपुट के मुताबिक नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने मुख्य अभियंता कार्यालय में तैनात बाबू भूपेंद्र सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं दो अवर अभियंताओं के निलंबन की संस्तुति शासन से की गई है। खबर में नगर निगम के विकास कार्यों और टेंडर की फाइलों में गड़बड़ी के साथ एक जेई पर हॉट मिक्स प्लांट के निरीक्षण में लापरवाही का आरोप बताया गया है।

मामला तब और गंभीर हो गया जब निरीक्षण रिपोर्ट में हॉट मिक्स प्लांट की गुणवत्ता ठीक नहीं होने का उल्लेख था, लेकिन आरोप है कि संबंधित जेई की रिपोर्ट में कई खामियां पाए जाने के बावजूद उसे क्लीन चिट दे दी गई।

दूसरी ओर जोन-6 में तैनात जेई बालेंदु सिंह पर भी ठेकेदार फर्म के दावों को लेकर ब्लैकलिस्ट की गई फर्म के पक्ष में कार्रवाई करने के आरोप सामने आए हैं।

पार्षद और रिश्तेदार ठेकेदार बने तो उठे सवाल

नगर निगम में कई पार्षदों और उनके सगे-संबंधियों के ठेकेदारी में शामिल होने की शिकायतें भी चर्चा में हैं। ऐसे मामलों में यह सवाल अहम है कि जिन जनप्रतिनिधियों को अपने वार्ड में होने वाले विकास कार्यों की निगरानी करनी है, यदि उनके परिवार के सदस्य उन्हीं कार्यों के ठेके लें तो निष्पक्षता कैसे सुनिश्चित होगी। यदि जांच में ऐसे मामलों की पुष्टि होती है तो यह हितों के टकराव और टेंडर प्रक्रिया की पारदर्शिता से जुड़ा गंभीर विषय होगा। नगर निगम की टेंडर व्यवस्था में कथित कमीशनखोरी के 50 प्रतिशत से अधिक तक पहुंचने के आरोपों ने भी पूरे मामले को गंभीर बना दिया है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि जांच में टेंडर प्रक्रिया, ठेकेदारों, अधिकारियों-कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच कथित गठजोड़ की कितनी परतें खुलती हैं। फिलहाल निलंबन और निलंबन की संस्तुति ने नगर निगम के भीतर हड़कंप मचा दिया है। टेंडर घोटाले की जांच आगे बढ़ने के साथ कई और अधिकारियों, कर्मचारियों तथा संबंधित लोगों की भूमिका सामने आने की संभावना है।

स्वराज इंडिया || कानपुर सिटी || www.swarajindianews.com
कानपुर शनिवार 29 अगस्त, 2026 03

नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय की अनदेखी से पनपा 'महाभ्रष्टाचार'!

जांच के घेरे में नगर आयुक्त का पूरा कैंप कार्यालय

○ कई परियोजनाओं और कार्यों में नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय या तो संलिप्त रहे या अनदेखी करते रहे

○ ईएनएसएल कंपनी भुगतान, गाड़ियों और मैनपावर के टेंडर बढ़ाने में जमकर धांधली के आरोप

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम कानपुर में भ्रष्टाचार कोई अभी से नहीं हो रहा है, यहां पर पहले से ही भ्रष्टाचार और धांधली होती रही लेकिन नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय के आने के बाद से लूट-खसूट के हालात बद से बदतर हो गए। वह भ्रष्टाचार की आने वाली अधिकतर शिकायतों की अनदेखी करते रहे और अपने कार्यालय में जनता से मिलने से कतराते रहे।

स्वराज इंडिया || कानपुर सिटी

नगर आयुक्त की 'कृपा' से तबादला होने के बाद भी 1 अरब से अधिक का भुगतान कर गए शुक्ला जी !

नगर आयुक्त कैंप कार्यालय भ्रष्टाचार का बड़ा काकस!

ब्लैकलिस्टेड फर्म को दोगुनी रकम पर ठेका!

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर नगर निगम में टेंडर प्रक्रिया को लेकर एक और गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि अलीगढ़, आगरा और मध्य प्रदेश में ब्लैकलिस्ट की जा चुकी फर्म को कानपुर में कूड़ा निस्तारण और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट का ठेका निर्धारित दर से करीब दोगुनी कीमत पर दिया गया। मामले में आगरा निवासी ठेकेदार रवि लवानिया की फर्म इनवायरमेंटल टेक्नो के खिलाफ पुलिस से शिकायत की गई है। शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।आरोप है कि पूर्व में कूड़ा निस्तारण का काम करीब 400 रुपये प्रति टन की दर से कराया जाता था, लेकिन रवि लवानिया की फर्म को यही काम 800 रुपये प्रति टन की दर से दिए जाने की बात सामने आई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आखिर टेंडर दोगुनी दर पर किन परिस्थितियों में दिया गया और इसके पीछे किन अधिकारियों, कर्मचारियों तथा ठेकेदारों की भूमिका रही।पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल के अनुसार नगर निगम में भ्रष्टाचार से जुड़ी एक और शिकायत मिली है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि प्रभावशाली लोगों के संरक्षण में मानकों के विपरीत फर्म को टेंडर दिलाया गया।आरोप यह भी है कि ठेकेदारों के कथित सिंडिकेट से जुड़े गोविंद शर्मा ने रवि लवानिया को कानपुर लाकर प्रभावशाली लोगों से मुलाकात कराई।पुलिस आयुक्त ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया से जुड़े सभी पहलुओं की जांच के लिए स्टाफ अफसर को जिम्मेदारी दी गई है। जांच में यह देखा जाएगा कि टेंडर दोगुनी कीमत पर कैसे और किन परिस्थितियों में दिया गया तथा इसमें अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों की क्या भूमिका रही। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जाएगी।मामले में यह तथ्य भी सामने आया है कि रवि लवानिया की फर्म के खिलाफ पहले भी कार्रवाई हो चुकी है। अलीगढ़, आगरा और मध्य प्रदेश के शिवपुरी नगर पालिका में स्वच्छ भारत मिशन से जुड़े कार्यों में फर्म को करोड़ों रुपये के काम मिलने की बात सामने आई थी। काम में लापरवाही और कथित अनियमितताओं के आरोपों के बाद वहां टेंडर निरस्त किए गए और फर्म को ब्लैकलिस्ट किए जाने के साथ सिक्योरिटी मनी जब्त किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।पुलिस के मुताबिक जनवरी 2026 में कराई गई गोपनीय जांच में भी रवि लवानिया और गोविंद शर्मा की फर्मों को नगर निगम के काम दिलाने में प्रभावशाली लोगों की कथित पैरवी का उल्लेख सामने आया था। जांच में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और घर-घर कूड़ा संग्रहण के काम लंबे समय के लिए दिए जाने की पैरवी किए जाने की बात भी सामने आई।रवि लवानिया पर यह भी आरोप है कि नगर निगम में कथित सिंडिकेट का हिस्सा बनने के बाद वह टेंडर प्रक्रिया में शामिल होने वाले दूसरे ठेकेदारों पर दबाव बनाता था। आरोप है कि बाहर के ठेकेदारों को टेंडर डालने से रोकने के लिए धमकाया जाता था। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट का ठेका मिलने के बाद काम में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आने के बावजूद प्रभावशाली लोगों के संरक्षण के कारण कार्रवाई न होने का भी आरोप लगाया गया है।उधर, कानपुर नगर निगम कर्मचारी संघ ने नगर निगम में चल रही जांच की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। कर्मचारी संघ के महामंत्री रमाकांत मिश्र ने कहा कि जांच के नाम पर कर्मचारियों और इंजीनियरों से सुबह से रात तक पूछताछ की जा रही है, जिससे नियमित कामकाज प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई कर्मचारी निलंबित हो चुके हैं और नगर निगम की व्यवस्था पर इसका असर पड़ रहा है।कर्मचारी संघ ने जांच की प्रक्रिया में बदलाव करने और ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों तथा इंजीनियरों को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं करने की मांग की है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि जांच के नाम पर उत्पीड़न बंद नहीं हुआ तो धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।फिलहाल पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि ब्लैकलिस्ट की गई फर्म को कानपुर नगर निगम में टेंडर किस प्रक्रिया के तहत मिला, निर्धारित दर से दोगुनी कीमत तय करने के पीछे क्या आधार था और इस पूरी प्रक्रिया में किन लोगों की भूमिका रही। मामले की जांच रिपोर्ट पर अब नगर निगम और पुलिस दोनों की निगाहें टिकी हैं।

अलीगढ़, आगरा और मध्य प्रदेश में कार्रवाई झेल चुकी फर्म को कानपुर में मिला काम

ब्लू वर्ल्ड की जलनिकासी पर उठे सवाल, गांव की सड़क जलमग्न

ग्रामीणों ने ब्लू वर्ल्ड के संचालको से गुस्सा जताया

पार्क की ओर से नालियां जाम होने पर ग्रामीणों का आरोप

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मंधना-बिठूर मार्ग स्थित ब्लू वर्ल्ड पार्क के पास शिवनगर, रामनगर और बैदानी गांवों को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर बारिश के बाद जलभराव की समस्या को लेकर क्षेत्रीय लोगों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की स्थिति पूरी तरह ठीक है, लेकिन बारिश के पानी की समुचित निकासी नहीं होने के कारण मुख्य मार्ग पर पानी जमा हो रहा है। क्षेत्रीय लोगों ने इसके लिए ब्लू वर्ल्ड पार्क की ओर से नालियों की सफाई और जलनिकासी व्यवस्था को जिम्मेदार ठहराते हुए व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

ग्रामीणों ने ब्लू वर्ल्ड के संचालको से गुस्सा जताया

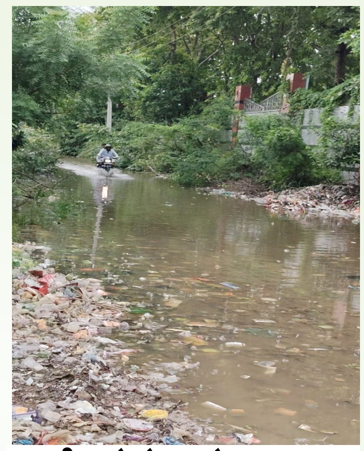
पानी बहने से यह हो गए हालात

ब्लू वर्ल्ड संचालक प्रदीप मिश्रा का कहना है कि उन्हें जानकारी नहीं है वह अस्पताल में है.

ग्रामीणों का आरोप है कि ब्लू वर्ल्ड पार्क के आसपास बनी नालियों में कचरा और गंदगी जमा होने के कारण पानी की निकासी प्रभावित हो रही है। उनका कहना है कि तेज बारिश के दौरान पार्क की ओर से पानी का दबाव बढ़ने और नालियों के जाम होने के कारण पानी सड़क पर एकत्र हो जाता है। इससे शिवनगर, रामनगर और बैदानी गांवों की ओर जाने वाले लोगों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ती है।क्षेत्रीय लोगों के मुताबिक सड़क में किसी तरह की बड़ी खराबी नहीं है। समस्या सड़क की गुणवत्ता से अधिक जलनिकासी की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि नालियों की नियमित सफाई कराकर बारिश के पानी की निकासी का उचित इंतजाम कर दिया जाए तो मुख्य मार्ग पर जलभराव की समस्या काफी हद तक समाप्त हो सकती है।

बारिश के दौरान सड़क पर पानी और कीचड़ जमा होने से दोपहिया वाहन चालकों तथा पैदल राहगीरों को विशेष परेशानी होती है। ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव के कारण वाहन चालकों को सड़क की वास्तविक स्थिति का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

समस्या को लेकर महेंद्र सिंह चौहान, छोटू सिंह, उत्तम सिंह, रोहित समेत अन्य ग्रामीणों ने नाराजगी जताई। ग्रामीणों ने संबंधित जिम्मेदारों से मौके का निरीक्षण कर जलनिकासी व्यवस्था की जांच कराने, नालियों की सफाई कराने और बारिश के पानी की निकासी का स्थायी समाधान करने की मांग की है।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि ब्लू वर्ल्ड पार्क के आसपास बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में पार्क परिसर और आसपास की नालियों की नियमित सफाई तथा पानी की निकासी की उचित व्यवस्था बेहद जरूरी है। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क को नुकसान पहुंचने से पहले ही जलभराव की समस्या का समाधान किया जाना चाहिए।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मौके पर जलनिकासी व्यवस्था की वास्तविक स्थिति की जांच कराई जाए और यदि नालियों के अवरुद्ध होने के कारण पानी मुख्य मार्ग पर जमा हो रहा है तो उसे तत्काल दुरुस्त कराया जाए, ताकि बारिश के दौरान ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी न उठानी पड़े।

आनंदपुरी में महिला मंडल ने मनाया श्याम बाबा का झूला उत्सव

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। आनंदपुरी क्षेत्र में मेरे बिहारी मेरे श्याम महिला मंडल के तत्वावधान में श्याम बाबा का झुंझुनू झूला उत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने श्याम बाबा के भजनों और कीर्तन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।भक्ति गीतों की धुन पर महिलाओं ने जमकर नृत्य किया और पूरा वातावरण श्याममय हो गया। महिलाओं ने श्याम बाबा को झूला झुलाया और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की कार्यक्रम में महिला मंडल की सदस्याओं ने भजन-कीर्तन

प्रस्तुत किए, जिस पर श्रद्धालु भाव-विभोर नजर आए। आयोजन के अंत में सभी ने बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त किया।

महिला हत्याकांड का 24 घंटे में खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। छावनी थाना क्षेत्र में महिला की गोली मारकर की गई हत्या के मामले का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की है।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संतोष निषाद उर्फ कल्लू और विनोद निषाद उर्फ मोदी के रूप में हुई है। दोनों आरोपी उन्नाव जिले के गंगाघाट थाना क्षेत्र के पीपरखेड़ा गांव के निवासी हैं। महिला की हत्या के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू की और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन विशेष टीमें गठित की थीं।पुलिस टीमों ने तकनीकी साक्ष्यों, स्थानीय सूचना तंत्र और सुरागरसी के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। लगातार की गई छानबीन के बाद दोनों आरोपियों को दबोच लिया गया। पूछताछ में मिले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने हत्या के मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों के पास से 315 बोर का अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त अपाचे बाइक बरामद की गई। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 भी बढ़ा दी है।

नगर निगम में जांच के नाम पर विकास कार्य ठप

» टेंडर जांच को लेकर कर्मचारियों में रोष, नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम में टेंडर प्रकरण की एसआईटी जांच को लेकर संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति ने मोर्चा खोल दिया है। समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय को ज्ञापन सौंपकर जांच के दौरान कर्मचारियों पर बनाए जा रहे कथित दबाव और पुलिस बल की मौजूदगी पर आपत्ति जताई।

ज्ञापन में कहा गया कि शासन के निर्देश पर एसआईटी द्वारा जांच की जा रही है। जांच के सिलसिले में पुलिस बल के साथ बार-बार नगर निगम परिसर में पहुंचकर मुख्य अभियंता कार्यालय में बैठने और अधिकारियों-कर्मचारियों से पूछताछ के कारण भय का वातावरण बन रहा है। इससे कर्मचारी मुख्यालय से बाहर रहने को मजबूर हो रहे हैं और विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। समिति ने यह भी कहा कि प्रकरण की आड़ में कई कर्मचारियों के निलंबन से रोष बढ़ा है।

कानपुर नगर निगम

समिति के अनुसार मामले की जांच पुलिस विभाग की एसआईटी के साथ ही आयुक्त कानपुर मंडल की ओर से मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित 3 सदस्यीय समिति भी कर रही है। समिति में तकनीकी रूप से दक्ष अभियंता को शामिल किया गया है, जबकि एसआईटी में मुख्य अभियंता स्तर का कोई तकनीकी अधिकारी नहीं है, जबकि पूरा मामला तकनीकी बिंदुओं से जुड़ा है।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कुछ अराजक तत्व कर्मचारियों के खिलाफ फर्जी शिकायतें एसआईटी को दे रहे हैं, जिन्हें जांच में शामिल कर कर्मचारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। संघर्ष समिति ने मांग की कि जांच निष्पक्ष और न्यायसंगत तरीके से कराई जाए, कर्मचारियों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए और कार्रवाई से समिति को भी अवगत कराया जाए, ताकि नगर निगम के विकास, सफाई

और अन्य जरूरी कार्य प्रभावित न हों। प्रतिनिधिमंडल में कर्मचारी नेता रमाकांत मिश्र, उस्मान अली, हरिओम बाल्मीकि समेत अन्य कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

फिर-चलती बस में चालक-परिचालक द्वारा यौन हिंसा

एक बार फिर बारह साल पुराने निर्भया कांड की पुनरावृत्ति हुई है। निर्भयाकांड में दिसंबर 2012 में 23 साल की युवती के साथ क्रूरता से गैंगरेप हुआ था, जिसकी बाद में सिंगापुर के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। इस घटना के बाद देश में व्यापक आक्रोश उभरा था। यौन हिंसा के खिलाफ कानून कठोर किए गए। इस कांड में साल 2020 में चार अपराधियों को फांसी की सजा दी गई थी। दुखद है कि एक बार फिर निर्भयाकांड की पुनरावृत्ति हुई । अकेली नाबालिग लड़की, खाली बस और चलती बस में चालक-परिचालक द्वारा गैंग रेप। उ.प्र. की एक सोलह साल की लड़की किसी बात पर मां की डांट से क्षुब्ध हो घर छोड़कर अपने रिश्तेदार से मिलने नोयडा सेक्टर-63 के लिये चली। लेकिन रात के अंधेरे और बारिश के मौसम की गफलत में नोयडा के परी चौक पर उतर गई। सेक्टर-63 जाने के लिये उसने जिस बस को रुकवाया, उसमें बैठे दरिंदों ने बस के वहीं जाने की बात कहकर उसे बैठा लिया। पर्दे लगी स्लीपर बस में लड़की के बैठते ही परिचालक ने उससे छेड़छाड़ शुरू कर दी। चालक-परिचालक ने दुराचार किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। करीब 47 किलोमीटर के सफर में उसके साथ यौन हिंसा हुई। अपराधी उसे कश्मीरी गेट के निकट रिंग रोड में छोड़कर फरार हो गए। किशोरी ने साहस दिखाते हुए रात ही में कश्मीरी गेट पुलिस को वारदात की सूचना दी। पुलिस ने इस मामले में टीम बनाकर पड़ताल की। बस की पहचान व रूट की जानकारी सीसीटीवी कैमरों के जरिये की गई। चालक-परिचालक को तिमारपुर की बस पार्किंग से गिरफ्तार किया गया। फोरेंसिक जांच के लिये बस को भी कब्जे में लिया गया है। लेकिन सवाल है कि चार अगस्त की घटना को पुलिस ने क्यों पर्दे में रखा? आखिर क्यों हादसे की सार्वजनिक जानकारी वहीं दूसरी ओर इंसान के पतन की पराकाष्ठा दिल्ली के बवाना इलाके में सामने आई, जहां स्कूल बस चालक को नर्सरी की एक बच्ची का यौन उत्पीड़न करने पर गिरफ्तार किया गया है। घटना 19 अगस्त को सामने आई जब नर्सरी की छात्रा के परिजनों ने उसके निजी अंगों पर चोट के निशान देखे। बच्ची ने अपनी मां को स्कूल के एक गंदे अंकल के बारे में बताया जो उसे चॉकलेट देता था। परिजनों द्वारा पुलिस को सूचित करने के बाद बस चालक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। शुरुआती जांच के अनुसार बच्ची से चार बार यौन दुर्व्यवहार किया गया था। किसी सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली ये घटनाएं जहां समाज में भरोसे को तोड़ती हैं, वहीं कानून व्यवस्था के प्रश्न को भी उठाती हैं। इन मुद्दों पर राजनीति भी जमकर शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि डबल इंजन सरकार में दिल्ली रेप कैपिटल बनती जा रही है। इसके बावजूद कि दिल्ली में एक महिला मुख्यमंत्री हैं। वहीं कुछ राजनीतिक दल आरोप लगा रहे हैं कि जनता की सुरक्षा व अपराध रोकने के कार्य के बजाय पुलिस पर अन्य कार्यों का बोझ डाला जा रहा है। वहीं सत्ता पक्ष के नेताओं का कहना है कि पुलिस ने मामले की तह तक जाकर अपराधियों को समय रहते गिरफ्तार करके कानूनी कार्रवाई में तेजी दिखायी है। साथ ही लोगों से अपील की है कि वे जागरूक रहें और ऐसी घटनाओं की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। लेकिन मुख्य सवाल यह है कि भारत में यौन लिप्साओं के विस्फोट की असली वजह क्या है? क्यों किन्हीं कमजोर स्थितियों में महिला, लड़की व बच्ची की उम्र का भी लिहाज न कर, यौन हिंसा का शिकार बनाया जा रहा है।

नेपाल में बाढ़ की तबाही के बाद पीड़ितों की मदद के लिए 50 विशेषज्ञ तैनात

निरंजन भंडारी

नेपाल सरकार ने विनाशकारी बाढ़ के बाद लोगों के मानसिक तनाव को दूर करने के लिए रसुवा और नुवाकोट जिलों में 50 मनोचिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों को तैनात किया है। पिछले एक दशक की इस सबसे भीषण बाढ़ में 900 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है और करीब 4,000 लोग अभी भी लापता हैं। प्रभावितों को तुरंत मनोवैज्ञानिक प्राथमिक उपचार देने के साथ चौबीसों घंटे चलने वाली हेल्पलाइन सेवाएं भी शुरू की गई हैं।नेपाल में बाढ़ का पानी भले ही उतर गया हो, लेकिन तबाही का खौफ अभी लोगों के दिलों से नहीं उतरा है। बच्चे रात में डरकर नींद से जाग जाते हैं और रोते हुए कहते हैं कि फिर बाढ़ आई है। कई वयस्क डर और बेचैनी से जूझ रहे हैं, जबकि उफनती नदियों और बाढ़ के पानी के बीच अपनों से बिछड़े परिवार अपने प्रियजनों की बेसब्री से तलाश कर रहे हैं।

विनाशकारी बाढ़ ने नेपाल में तबाही के साथ-साथ ऐसा गहरा मानसिक आघात भी छोड़ा है, जिसकी भयावह तस्वीर अब धीरे-धीरे सामने आने लगी है। पिछले एक दशक में आई इस सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहे नेपाल में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ अब उस त्रासदी के शुरुआती संकेत देख रहे हैं, जो आसपास हुई भौतिक तबाही की तुलना में कम दिखाई देती है। बाढ़ में मरने वालों की संख्या 900 के पार पहुंच चुकी है और करीब 4,000 लोग अब भी लापता हैं।ऐसे में अपनों को खोने, घर-बार छोड़ने और भविष्य को लेकर पैदा हुई अनिश्चितता का मानसिक बोझ हजारों लोगों पर बढ़ता जा रहा है। इसे देखते हुए सरकार ने मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की कवायद शुरू की है। 'द काठमांडू पोस्ट' ने मंगलवार को अधिकारियों के हवाले से बताया कि आपदा के मानसिक प्रभाव से निपटने के लिए सरकार ने सबसे ज्यादा प्रभावित रसुवा और नुवाकोट जिलों में करीब 50 मनोचिकित्सकों, मनोवैज्ञानिकों और मनोसामाजिक परामर्शदाताओं को तैनात किया है।इसके अलावा बागमती प्रांत में 64 प्रशिक्षित परामर्शदाता जरूरत पड़ने पर तत्काल सेवा देने के लिए तैयार रखे गए हैं। अधिकारियों को आशंका है कि प्रभावित लोगों को लंबे समय तक मनोसामाजिक सहायता की जरूरत पड़ सकती है। यह मानसिक स्वास्थ्य सहायता ऐसे समय में बढ़ाई जा रही है, जब बाढ़ से 11,000 से अधिक लोगों को बचाया जा चुका है और पूरे के पूरे गांव, घर, सड़कें तथा पुल तबाह हो गए हैं।मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, आपदा के तुरंत बाद दिए जाने वाले मनोवैज्ञानिक प्राथमिक उपचार की शुरुआत सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में की जा रही है। इसका उद्देश्य उन लोगों को शुरुआती मानसिक और भावनात्मक सहारा देना है, जो अचानक आई आपदा के सदमे से जूझ रहे हैं। स्वास्थ्य सेवा विभाग की वरिष्ठ सलाहकार और चिकित्सा विशेषज्ञ पोमावती थापा ने बताया कि रसुवा और नुवाकोट में तैनात 50 मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों में से करीब 10 सीधे तौर पर मनोवैज्ञानिक प्राथमिक उपचार दे रहे हैं। वहीं, सड़क संपर्क से कटे रसुवा के दूरदराज इलाके उत्तरगया में चार सदस्यों की एक टीम भेजी गई है। उन्होंने बताया कि विभाग ने मानसिक स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती की योजना तैयार की है और उन इलाकों में उनकी सेवाएं उपलब्ध कराने को लेकर समन्वय किया जा रहा है, जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। थापा के अनुसार, शुरुआत में अधिकारियों का ध्यान जमीन पर हालात का आकलन करने के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक प्राथमिक उपचार और स्वयंसेवकों को जुटाने पर था लेकिन जैसे-जैसे आपदा की भयावहता और प्रभावित लोगों की जरूरतें स्पष्ट होती गईं, स्वास्थ्य मंत्रालय ने वैसे-वैसे मानसिक स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती बढ़ा दी।इस अभियान में नेपाल रेड क्रॉस सोसाइटी, मानसिक स्वास्थ्य एवं काउंसिलिंग केंद्र नेपाल और कई अन्य गैर-सरकारी संगठन भी सहयोग कर रहे हैं। सरकार ने फोन के जरिए मनोसामाजिक सहायता की सुविधा भी बढ़ाई है। स्वास्थ्य एवं खाद्य सुरक्षा मंत्रालय के उप प्रवक्ता समीर कुमार अधिकारी ने बताया कि 1115 हेल्पलाइन पर सामान्य स्वास्थ्य संबंधी परामर्श और समन्वय की सुविधा उपलब्ध है।बाढ़ के बाद बढ़ी जरूरत को देखते हुए इस हेल्पलाइन पर काम करने वाले कर्मचारियों को बुनियादी मनोसामाजिक सहायता देने के लिए भी प्रशिक्षित किया गया है। वहीं, 1166 के जरिए विशेष मनोसामाजिक सेवा उपलब्ध है, जिसे पाटन मानसिक अस्पताल से संचालित किया जा रहा है। अधिकारी के मुताबिक, देश के किसी भी हिस्से से आने वाले फोन को इस सेवा से जोड़ा जाता है और फिर मनोसामाजिक परामर्शदाताओं तक पहुंचाया जाता है।फिलहाल सात परामर्शदाता बारी-बारी से चौबीसों घंटे सेवा दे रहे हैं। मंत्रालय 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन की सुविधा भी उपलब्ध करा रहा है। नुवाकोट के बिदुर में मानसिक स्वास्थ्य एवं काउंसिलिंग केंद्र नेपाल की चार सदस्यीय मनोसामाजिक टीम के साथ काम कर रहे मनोवैज्ञानिक गोपाल बोहरा ने बताया कि आपदा में बचे हुए लोगों में सदमे और मानसिक तनाव के स्पष्ट संकेत दिखाई दे रहे हैं। बोहरा ने कहा, ''इनमें से ज्यादातर लोग अभी सदमे में हैं और अपनी परेशानियों को शब्दों में बयान तक नहीं कर पा रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि राहत केंद्र में रह रहे दो बच्चे रात में बार-बार डरकर जाग जाते हैं। उन्हें बाढ़ आने के डरावने सपने आते हैं और वे रोते हुए कहते हैं कि बाढ़ फिर लौट आई है।

भाजपा ने राजस्थान में 8 मुसलमानों को थमाए टिकट

जयपुर नगर निगम चुनाव

नीरज कुमार दुबे

भाजपा ने अपने हालिया चुनावी रुख से अलग कदम उठाया है। 2023 के राजस्थान विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनावों में किसी मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट नहीं देने वाली भाजपा ने जयपुर नगर निगम चुनाव के लिए आठ मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। मुस्लिमों के बारे में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बयान सामने आते ही भाजपा ने मुस्लिमों को चुनावी टिकट थमाने शुरू कर दिये हैं। हम आपको बता दें कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने अमेरिका के न्यूयॉर्क में धार्मिक सद्भाव और मुस्लिमों की भारत में जगह को लेकर जो संदेश दिया,

उसके लगभग समानांतर भाजपा का जयपुर नगर निगम चुनाव में आठ मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतारना राजनीतिक हलकों में नई बहस का विषय बन गया है। सवाल यह है कि क्या यह केवल स्थानीय चुनावी गणित है या भाजपा और संघ के व्यापक राजनीतिक-सामाजिक संदेश में किसी बदलाव का संकेत है?उल्लेखनीय है कि न्यूयॉर्क में एक बहुधार्मिक संवाद के दौरान भागवत से एक बार फिर वही सवाल पूछा गया– ÷मुस्लिमों का क्या?÷ हिंदू राष्ट्र और आरएसएस के हिंदुत्ववादी दृष्टिकोण के संदर्भ में उठे इस सवाल का जवाब देते हुए भागवत ने धार्मिक सद्भाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि कोई स्वयं को हिंदू कहता है तो उसे यह मानना होगा कि सभी रास्ते एक ही लक्ष्य की ओर जाते हैं और प्रत्येक मनुष्य की गरिमा समान है। मनुष्यों के बीच कोई भेद नहीं हो सकता।इभागवत ने एक पुराने संवाद का भी उल्लेख किया, जिसमें कुछ मुस्लिम भाइयों ने उनसे पूछा था कि आरएसएस हिंदू संगठन है, वह हिंदू राष्ट्र की बात करता है, तो फिर मुस्लिमों का क्या होगा? क्या उन्हें देश से निकाल दिया जाएगा? भागवत के अनुसार, उनका जवाब साफ था, ÷नहीं, यह हिंदुत्व नहीं है।÷ उन्होंने इससे भी आगे बढ़कर कहा कि यदि कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू हो ही नहीं सकता।

आरएसएस प्रमुख ने हरियाणा के दादरी के निकट 1996 की भयावह विमान दुर्घटना का उदाहरण भी दिया। यह विमानन इतिहास की सबसे घातक मध्य-आकाशीय टक्करों में गिनी जाती है, जिसमें सऊदी अरब एयरलाइंस और कजाखस्तान एयरलाइंस के विमान टकरा गए थे और सभी 349 यात्रियों एवं चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई थी। भागवत ने कहा कि बड़ी संख्या में मृतक मुस्लिम थे, लेकिन सबसे पहले पहुंचे स्वयंसेवकों ने यह नहीं देखा कि पीड़ित किस धर्म के हैं। उन्होंने घायलों की सहायता की, शवों को निकाला और अंतिम संस्कार सहित अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग किया। भागवत ने कहा कि स्वयंसेवक सेवा करते समय यह नहीं सोचते कि सामने वाला मुस्लिम है या किसी अन्य समुदाय से। उन्होंने कहा, उस समय प्रमुख रूप से काम करने वाला संगठन आरएसएस था और संघ ने यह काम किसी राजनीतिक लाभ या बदले की अपेक्षा से नहीं किया। उनका संदेश था, ÷हम केवल देते हैं, बदले में कुछ नहीं चाहते÷ इधर, भारत में भाजपा ने अपने हालिया चुनावी रुख से अलग कदम उठाया है। 2023 के राजस्थान विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनावों में किसी मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट नहीं देने वाली भाजपा ने जयपुर नगर निगम चुनाव के लिए आठ मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। यह बदलाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भाजपा को परंपरागत रूप से मुस्लिम मतदाताओं के बीच सीमित समर्थन मिलने की बात कही जाती रही है।भाजपा ने वार्ड 117 से शबाब जहां को फिर टिकट दिया है। वह 2020 के नगर निगम चुनाव में भी पार्टी की उम्मीदवार थीं, हालांकि तब उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। उनके अलावा अफसाना को वार्ड 146, मिजान मिर्जा को 136, रईस मंसूरी को 137, माजिद पठान को 128, फरीदुद्दीन को 113, जाकिर खान को 109 और शहनवाज अंसारी को वार्ड 19 से उम्मीदवार बनाया गया है।भाजपा का तर्क है कि उम्मीदवारों के चयन में संबंधित वार्डों की मतदाता संरचना को ध्यान में रखा गया है और पार्टी को भरोसा है कि विकास के आधार पर मुस्लिम मतदाता भी उसका समर्थन करेंगे। भाजपा प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने कहा कि पार्टी को अपने विकास कार्यों पर विश्वास है।वहीं भाजपा उम्मीदवार भी इसी लाइन को आगे बढ़ा रहे हैं। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला पदाधिकारी की पत्नी और पिछले 15 वर्षों से भाजपा से जुड़ीं शबाब जहां का कहना है कि मुस्लिमों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कोई समस्या नहीं है और उनके क्षेत्र में मुख्य मुद्दा नागरिक सुविधाएं और बुनियादी ढांचा होगा। माजिद पठान ने भी प्रधानमंत्री आवास योजना और उज्ज्वला योजना जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनका लाभ मुस्लिम समुदाय सहित आम लोगों को मिला है। उधर, कांग्रेस इस बदलाव को भाजपा की छवि सुधारने की कोशिश मान रही है।अब बड़ा सवाल आगे की राजनीति का है। सवाल उठता है कि क्या जयपुर में आठ मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट देना केवल नगर निकाय चुनाव की स्थानीय रणनीति है या इसका विस्तार बड़े विधानसभा चुनावों तक होगा? देखना होगा कि भाजपा आगामी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर के विधानसभा चुनावों में मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट देती है या नहीं? वैसे सवाल सिर्फ टिकटों तक सीमित नहीं है।

आलू किसानों की बदहाली पर सिर पर बोरी रख सड़क पर उतरे किसान नेता

- बकोठी में किसान सभा, एक दर्जन से अधिक गांवों के किसानों ने लिया हिस्सा
- सात सितंबर से शुरू होने वाले प्रदेशव्यापी आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)आलू की गिरती कीमतों और किसानों को हो रहे नुकसान के मुद्दे पर सोमवार को बकोठी गांव स्थित गांधी चबूतरे पर किसान सभा आयोजित की गई। सभा में आसपास के एक दर्जन से अधिक गांवों से किसान पहुंचे। इस दौरान आलू किसानों के लिए ठोस नीति बनाने समेत पांच मांगों को लेकर सात सितंबर से फर्रुखाबाद से शुरू होने वाले प्रदेशव्यापी आंदोलन को सफल बनाने का निर्णय लिया गया।

किसान आंदोलन के प्रदेश अध्यक्ष अजय अनमोल भी सभा में पहुंचे। किसानों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हर साल आलू की फसल तैयार होने के बाद बाजार में भाव गिरने से किसान मुश्किल में फंस जाते हैं। लागत के मुकाबले उचित कीमत नहीं मिलने से उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है। सरकार को किसानों की इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए तत्काल आलू नीति लागू करनी चाहिए।

सिर पर आलू की बोरी रख प्रदर्शन करते किसान नेता

सभा के बाद अजय अनमोल ने किसानों के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने सिर पर आलू की बोरी रखकर सरकार का ध्यान किसानों की बदहाली की ओर खींचा। उन्होंने कहा कि जब तक स्थायी आलू नीति लागू नहीं होती, तब तक किसानों की प्रमुख मांगों को तत्काल स्वीकार किया जाए।

उन्होंने आलू को मंडी शुल्क से मुक्त करने और कोल्ड स्टोरेज का भंडारण शुल्क सरकार द्वारा वहन किए जाने की मांग की। इसके अलावा हाइब्रिड आलू का न्यूनतम समर्थन मूल्य 1000 रुपये और चिप्सोना व हॉलैंड आलू का 1500 रुपये प्रति क्विंटल घोषित करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि बाजार भाव समर्थन मूल्य से नीचे जाने पर सरकार किसानों को कीमत के अंतर की भरपाई करे, ताकि उन्हें लागत के अनुरूप मूल्य मिल सके।

रेल भाड़ा माफ करने और निर्यात बढ़ाने की मांग

अजय अनमोल ने देश के किसी भी हिस्से में आलू भेजने पर रेल भाड़ा माफ करने की मांग की। उन्होंने आलू के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए निर्यात संबंधी प्रतिबंध हटाने और निर्यातकों व परिवहन पर मिलने वाले 25 प्रतिशत अनुदान को बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मांग भी उठाई। उन्होंने कहा कि किसानों की मांगों पर जल्द निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। सभा में किसान नेता विजय कटियार, शमेंद्र कटियार प्रधान समेत कई किसान मौजूद रहे।

सपा ने कसी कमर, बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने पर जोर

जिंदा शाह मदार की दरगाह पर जियारत करते सपा नेता व कार्यकर्ता।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। आगामी चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने की कवायद शुरू कर दी है। सोमवार को मकनपुर में सपा पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर बूथ स्तर पर संगठन की स्थिति और चुनावी तैयारियों को लेकर मंथन किया। बैठक में कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ पार्टी के संगठन को मजबूत करने और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी की नीतियों से जोड़ने पर जोर दिया गया। नेताओं ने कहा कि चुनावी तैयारी अंतिम समय में नहीं, बल्कि पहले से ही शुरू करनी होगी। इसके लिए बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

युवजन सभा के प्रदेश सचिव आशीष सिंह यादव ने कहा कि कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ चुनाव की तैयारियों में जुटें और पार्टी की नीतियों व उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएं।

➾ मकनपुर में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक, चुनावी तैयारियों को लेकर बनी रणनीति

उन्होंने कार्यकर्ताओं की एकजुटता को संगठन की मजबूती का आधार बताया। इस दौरान अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष अब्दुल खालिद इदरीशी, सपा नगर अध्यक्ष बिल्हौर अरशद सिद्दीकी, पूर्व जिला अध्यक्ष चौधरी निर्भय सिंह समेत अन्य पदाधिकारियों ने भी चुनावी रणनीति पर चर्चा की।

बैठक से पहले सपा नेताओं ने मकनपुर स्थित प्राचीन दरगाह जिंदा शाह मदार की दरगाह पर जियारत की और अमन-चैन व खुशहाली की दुआ मांगी। इस दौरान स्थानीय कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में सुनील यादव, पप्पू पहलवान, पंकज ठाकुर, अशरफ अली, ओम नारायण फौजी, सलमान, तिलक सिंह, कुलदीप सिंह, आशु यादव और सूरज राजपूत आदि मौजूद रहे।

घरेलू परेशानियों से जूझ रहे युवक ने फांसी लगाकर दी जान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। शिवराजपुर क्षेत्र के कढ़ली पुरवा गांव में सोमवार रात घरेलू परेशानियों के चलते 28 वर्षीय युवक ने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजन युवक को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

➾ परिजनों ने अस्पताल पहुंचाया, डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

कढ़ली पुरवा निवासी राम प्रकाश का 28 वर्षीय बेटा शिवम सोमवार रात करीब आठ बजे घर के कमरे में था। कुछ देर बाद परिजनों को उसके फंदे पर लटके होने की जानकारी हुई। आनन-फानन में उसके साले ऋषभ ने उसे नीचे उतारा। परिजन तत्काल उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

युवक की मौत की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया और परिवार के लोगों से जानकारी जुटाई। थाना प्रभारी अमित सिंह के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में युवक के घरेलू समस्याओं से परेशान होने की बात सामने आई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इंटर कॉलेज में छात्रों के दो गुट भिड़े, बेल्ट-घूंसों से मारपीट

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर कस्बे के एक इंटर कॉलेज में सोमवार दोपहर छात्रों के दो गुटों के बीच विवाद के बाद मारपीट हो गई। दोनों पक्षों में बेल्ट और घूंसों से हुई मारपीट में कई छात्र चोटिल हो गए। घटना के बाद विद्यालय परिसर में कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल रहा।

छात्रों को थाने ले जाती पुलिस।

बताया गया कि छात्रों के बीच किसी बात को लेकर पहले कहासुनी हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों गुट आमने-सामने आ गए। छात्रों ने एक-दूसरे पर हाथापाई शुरू कर दी। विद्यालय की ओर से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले कई छात्र वहां से निकल गए, जबकि कुछ छात्रों को पुलिस सरकारी वाहन से थाने ले आई।

मारपीट में नगर पालिका अध्यक्ष इकलाख के बेटे के सिर और हाथ में चोट आई। तीन अन्य छात्रों के भी मामूली रूप से घायल होने की जानकारी है। घायल छात्र को उपचार के लिए सीएचसी भेजा गया।

पुलिस द्वारा छात्रों को थाने लाए जाने की जानकारी मिलने पर उनके परिजन भी पहुंच गए। परिजनों ने पुलिस से बच्चों को छोड़ने का अनुरोध किया। थाना प्रभारी सुधीर कुमार ने बताया कि मामले में अभी किसी पक्ष की ओर से लिखित शिकायत नहीं दी गई है। छात्रों और उनके परिजनों को भविष्य में इस तरह का विवाद न करने की हिदायत दी गई। इसके बाद सभी छात्रों को परिजनों के साथ घर भेज दिया गया।

फिर उफनाई मंदाकिनी, खतरे के निशान से 2 मीटर ऊपर

दो दिन बाद दोबारा बढ़ा नदी का जलस्तर, निचले इलाकों में दहशत

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

चित्रकूट।मंदाकिनी नदी एक बार फिर उफान पर आ गई है। दो दिन पहले आई भीषण बाढ़ से तबाह हुए चित्रकूट में लोग अभी पूरी तरह संभल भी नहीं पाए थे कि रविवार रात हुई तेज बारिश के बाद नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। नदी का पानी खतरे के निशान से करीब 2 मीटर ऊपर पहुंचने के बाद निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। प्रशासन ने स्थिति पर नजर रखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी है।

लगातार बारिश के कारण मंदाकिनी का जलस्तर तेजी से बढ़ा। पानी बढ़ने के साथ ही नदी के आसपास स्थित निचले इलाकों में दोबारा जलभराव का खतरा पैदा हो गया। रामघाट और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में अफरातफरी का माहौल बन गया। प्रशासन की ओर से लोगों को नदी के आसपास नहीं जाने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है।

सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों को हो रही है, जिनके घर और दुकानें पिछली बाढ़ में प्रभावित हुई थीं। बाढ़ का पानी उतरने के बाद लोग घरों और दुकानों से मलबा हटाने तथा खराब सामान को बाहर निकालने में जुटे थे। कई जगह अभी सफाई का काम पूरा भी नहीं हुआ था कि दोबारा नदी का जलस्तर बढ़ने लगा। इससे प्रभावित परिवारों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

दो दिन पहले मंदाकिनी का जलस्तर खतरे के निशान से कई मीटर ऊपर पहुंच गया था। उस दौरान रामघाट समेत आसपास के कई इलाकों में पानी भर गया था। कई मकानों और दुकानों में बाढ़ का पानी घुसने से लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। पानी उतरने के बाद जनजीवन सामान्य होने की उम्मीद जगी थी, लेकिन दोबारा नदी के उफान ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

चित्रकूट के पाठा क्षेत्र में भी बारिश का असर दिखाई दे रहा है।

बरदहा और बाल्मीकि नदियों के जलस्तर में वृद्धि से आसपास के गांवों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है।

बरदहा नदी का पानी बढ़ने से करीब एक दर्जन गांव प्रभावित बताए जा रहे हैं, जबकि बाल्मीकि नदी का पानी भी निचले इलाकों की ओर बढ़ रहा है।

भारतपुर गांव के पास स्थित बरुआ बांध में भी पानी बढ़ने के बाद सिंचाई विभाग ने उसके तीन गेट खोल दिए हैं। बांध से पानी छोड़े जाने के बाद आसपास के निचले क्षेत्रों में प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। ग्रामीणों को नदी और नालों के आसपास जाने से बचने की सलाह दी गई है।

बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासनिक और राहत-बचाव टीमों को सक्रिय रखा गया है। अधिकारियों की ओर से प्रभावित इलाकों में लगातार निगरानी की जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की तैयारी भी की जा रही है।

पिछली बाढ़ से हुए नुकसान का सर्वे और राहत कार्य अभी जारी है।

ऐसे में दोबारा बढ़ा नदी का जलस्तर प्रशासन के लिए भी बड़ी चुनौती बन गया है। फिलहाल सबसे अधिक जोर निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित रखने और नदी के जलस्तर पर लगातार नजर बनाए रखने पर है।

स्मार्ट मीटर ने फिर बढ़ाई बिजली उपभोक्ताओं की मुसीबत

» लखनऊ में करीब 5 हजार कनेक्शन कटे, बिल जमा करने के बाद भी बिजली बहाल नहीं

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। बिजली के स्मार्ट मीटर एक बार फिर उपभोक्ताओं के लिए परेशानी का कारण बन गए हैं। राजधानी लखनऊ में बकाया बिल के चलते करीब 5 हजार स्मार्ट मीटर वाले बिजली कनेक्शन काट दिए गए। इनमें लखनऊ सेंट्रल क्षेत्र के 3500 से अधिक परिवार प्रभावित हुए।बिजली कटने के बाद उपभोक्ताओं ने बकाया बिल जमा कर दिया, लेकिन तकनीकी खामी के कारण कई लोगों की बिजली आपूर्ति तत्काल बहाल नहीं हो सकी। इससे हुसैनगंज, अमीनाबाद और चौक समेत कई इलाकों में उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लग गईं।

बिजली कटने के बाद उपभोक्ता बकाया बिल जमा कराने के लिए विभिन्न बिलिंग केंद्रों पर पहुंचे। भुगतान करने के बावजूद जब बिजली आपूर्ति शुरू नहीं हुई तो परेशान लोग बर्लिंगटन चौराहे स्थित ओल्ड 1912 उपकेंद्र और लेसा कार्यालय पहुंच गए। यहां उपभोक्ताओं और बिजली कर्मचारियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई।उपभोक्ताओं का सवाल था कि स्मार्ट मीटर के जरिए बकाया होने पर बिजली तुरंत काटी जा सकती है तो भुगतान के बाद कनेक्शन तत्काल चालू क्यों नहीं किया जा रहा है।कई उपभोक्ताओं को देर रात तक बिजली के लिए इंतजार करना पड़ा। उमस भरी गर्मी में बच्चे, बुजुर्ग और मरीज भी प्रभावित हुए। इस संबंध में लेसा अधिकारियों का कहना है कि ईईएसएल के स्मार्ट मीटर में तकनीकी कारणों से री-कनेक्शन की प्रक्रिया में कुछ समय लगा।स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्या के साथ बिजली विभाग की शिकायत निस्तारण व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हुए हैं।

मध्यांचल विद्युत निगम की हेल्पलाइन 1912 पर मिले उपभोक्ता फीडबैक की समीक्षा के दौरान सामने आया कि कुल 18,957 शिकायतों का बिना वास्तविक समाधान किए ही निस्तारण दर्ज कर दिया गया। कई मामलों में उपभोक्ताओं से संपर्क किए बिना और तकनीकी खराबी दूर किए बिना शिकायतों को पोर्टल पर बंद दिखा दिया गया।इसके बाद परेशान उपभोक्ताओं को अपनी शिकायतें दोबारा खुलवानी पड़ीं। आंकड़ों के मुताबिक अमौसी जोन में सबसे अधिक 6,892 शिकायतें दोबारा खुलीं। इसके बाद जानकीपुरम जोन में 6,014 और गोमतीनगर जोन में 5,927 मामले दोबारा दर्ज किए गए।

लखनऊ सेंट्रल जोन में 124 शिकायतें दोबारा खोली गईं।शिकायतों में अनियोजित बिजली कटौती, आपूर्ति में खराबी, गलत या अधिक बिजली बिल, मीटर की तकनीकी खामियां और नए स्मार्ट मीटर से जुड़ी परेशानियां प्रमुख रूप से शामिल हैं।

उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में शिकायतों के निस्तारण के तरीके पर भी नाराजगी जताई गई है।अमौसी जोन के मुख्य अभियंता राम कुमार ने अधिकारियों को शिकायतों का नियमानुसार निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि यदि किसी शिकायत का फर्जी तरीके से निस्तारण किया गया है तो मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। उच्चाधिकारियों ने दोबारा खोली गई सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर पारदर्शी तरीके से समाधान करने के निर्देश दिए हैं।

स्मार्ट मीटरों को लेकर पहले भी उपभोक्ताओं की ओर से अधिक बिल आने, नेटवर्क संबंधी परेशानी और तकनीकी खामियों की शिकायतें सामने आती रही हैं। अब बकाया बिल जमा करने के बाद भी बिजली आपूर्ति बहाल होने में देरी ने उपभोक्ताओं की परेशानी और बढ़ा दी है।

आईएएस दिव्या मित्तल के इस्तीफे पर अजय राय का वार

राज्यपाल को पत्र लिखकर केंद्र से हस्तक्षेप की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ।आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल के इस्तीफे को लेकर उत्तर प्रदेश में सियासी हलचल तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को पत्र लिखकर मामले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाने और हस्तक्षेप कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ईमानदार और सक्षम अधिकारियों का सम्मान सुरक्षित रहना चाहिए तथा उनका मनोबल कमजोर नहीं होना चाहिए।अजय राय ने अपने पत्र में कहा कि दिव्या मित्तल को फील्ड से हटाकर राजस्व विभाग में तैनात किया गया था। इसके बाद उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा दे दिया। हालांकि दिव्या मित्तल ने अपने इस्तीफे के कारणों को स्पष्ट रूप से सार्वजनिक नहीं किया है। नियुक्ति विभाग को मिले इस्तीफे में कारण पारिवारिक और निजी बताए गए हैं।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मौजूदा भाजपा सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2017 के बाद अब तक 13 आईएएस अधिकारी या तो इस्तीफा दे चुके हैं या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले चुके हैं। उन्होंने इस स्थिति को गंभीर बताते हुए सवाल उठाया कि यदि बड़े अधिकारी भी संविधान और नियमों के अनुरूप अपनी योग्यता तथा क्षमता के अनुसार काम नहीं कर पाएंगे तो छोटे अधिकारियों और कर्मचारियों पर पड़ने वाले राजनीतिक दबाव की स्थिति क्या होगी।उन्होंने कहा कि भारतीय प्रशासनिक

सेवा का अधिकारी किसी राजनीतिक दल के लिए नहीं, बल्कि संविधान और जनता के लिए काम करता है। उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था की निष्पक्षता और सम्मान को लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी बताते हुए राज्यपाल से इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाने का आग्रह किया।इधर दिव्या मित्तल का इस्तीफा नियुक्ति विभाग को प्राप्त हो चुका है। उच्चपदस्थ सूत्रों के अनुसार इस्तीफे को आगे केंद्र सरकार को भेजा जाएगा, क्योंकि अंतिम निर्णय केंद्र स्तर पर होना है।

दिव्या मित्तल के इस्तीफे के बाद प्रदेश की राजनीति में पहले से ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। विपक्ष इस घटनाक्रम को लेकर सरकार पर सवाल उठा रहा है, जबकि इस्तीफे के आधिकारिक दस्तावेज में निजी और पारिवारिक कारण बताए जाने की बात सामने आई है। ऐसे में अब अजय राय के राज्यपाल को लिखे पत्र ने इस पूरे प्रकरण को एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है।

स्कूल में खेल के मैदान की जगह खतरे का गड्ढा!

सात फीट गहरे गड्ढे के मुहाने पर 158 बच्चों की सुरक्षा, जलभराव से लाखों के खेल उपकरण भी बर्बाद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर उच्च प्राथमिक विद्यालय गजनेर में बारिश के बाद बच्चों के लिए मुसीबत खड़ी हो गई है। विद्यालय परिसर में जलभराव से जहां लाखों रुपये की लागत से लगाए गए खेल और व्यायाम उपकरण खराब हो रहे हैं, वहीं खेल उपकरणों के पास जमीन धंसने से करीब सात फीट गहरा गड्ढा बन गया है। गड्ढा करीब चार से पांच फीट की गोलाई में है। इसके आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं होने से विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों पर हादसे का खतरा मंडरा रहा है।

करीब दो वर्ष पहले ग्राम पंचायत की ओर से विद्यालय में छात्र-छात्राओं के खेलने, कूदने और व्यायाम के लिए विभिन्न उपकरण लगाए गए थे। इन पर लाखों रुपये खर्च किए गए थे। विद्यालय परिसर आसपास के क्षेत्र से नीचा होने के कारण बारिश का पानी यहां जमा हो जाता है। लगातार जलभराव के चलते बच्चे खेल उपकरणों का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। पानी में पड़े रहने से कई उपकरण खराब हो चुके हैं, जबकि कुछ टूटकर जमीन पर पड़े हैं।

इसी बीच करीब एक सप्ताह पहले खेल उपकरणों के पास अचानक जमीन धंस गई। देखते ही देखते यहां चार से पांच फीट की गोलाई में करीब सात फीट गहरा गड्ढा बन गया। विद्यालय में बच्चों की लगातार आवाजाही के बावजूद गड्ढे को अब तक पूरी तरह सुरक्षित नहीं किया गया है। ऐसे में खेलते समय या परिसर से गुजरते वक्त किसी बच्चे के गड्ढे में गिरने से बड़ा हादसा हो सकता है।

खेल मैदान की दुर्दशा हो गई

विद्यालय में 158 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। सोमवार को भी 80 बच्चे विद्यालय पहुंचे थे। ऐसे में गड्ढे की सुरक्षा को लेकर विद्यालय प्रशासन और अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। शिक्षक संकुल विनोद शर्मा और प्रधानाचार्या शैलजा त्रिपाठी ने बताया कि जमीन धंसने और गड्ढा बनने की जानकारी ग्राम प्रधान को दे दी गई है। उन्होंने जल्द गड्ढे को भरवाने और परिसर को सुरक्षित कराने की मांग की। निवर्तमान ग्राम प्रधान व प्रशासक अनीषा बेगम ने बताया कि वह लोग अजमेर शरीफ गए थे।

वापस लौटकर जल्द ही समस्या का निस्तारण कराया जाएगा। बीईओ सरवनखेड़ा अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि विद्यालय की इंचार्ज, बीडीओ और ग्राम प्रधान से बात की गई है। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए तत्काल गड्ढे के चारों ओर बैरीकेडिंग कराई जाएगी। इसके बाद मिट्टी भरवाकर गड्ढे को बंद कराया जाएगा और विद्यालय परिसर को सुरक्षित कराया जाएगा।

खास ख़बर

साजन ने कुलतार को अखाड़े में चटाई धूल, सांडी तोड़ दांव से किया चित

अकोढ़ी के कजरी मेले में पहलवानों ने दिखाया दमखम, गोलू और छोटू ने भी प्रतिद्वंदियों को दी पटखनी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकोढ़ी गांव स्थित पातालेश्वर मंदिर परिसर में कजरी मेले के दौरान आयोजित दंगल में पहलवानों ने जमकर जोर आजमाइश की। आसपास के जिलों से पहुंचे पहलवानों के बीच हुए रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे। अखाड़े में पहलवानों के दांव-पेच पर दर्शक तालियों से उनका उत्साह बढ़ाते रहे।

दंगल में घार के सलमान पहलवान ने झांसी के अंकित को धोबी पछाड़ दांव लगाकर चित किया। इटावा के गोलू यादव ने दिल्ली के शिवा को जांघिया दांव से पटखनी दी। वहीं पनकी कानपुर के छोटू पहलवान ने उरसान के अरुण को हराकर कुश्ती अपने नाम की।सबसे रोमांचक मुकाबला झींझक के साजन पहलवान और गजनेर के कुलतार के बीच हुआ। दोनों ने अखाड़े में खूब दमखम दिखाया। काफी देर तक चले मुकाबले में साजन ने मौका मिलते ही सांडी तोड़ दांव लगाया और कुलतार को चारों खाने चित कर दिया। साजन की जीत पर दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया। डेरापुर के धर्मेंद्र और अनवा के अमित की कुश्ती बराबरी पर छूटी। इटावा के कौशल-औरैया के शिवपूजन तथा हसनापुर के रवि-कानपुर के गुड्डू के बीच हुए मुकाबले भी बराबरी पर समाप्त हुए।

दंगल में रेफरी की भूमिका सब्बीर खान और फिरोज खान ने निभाई। ग्राम प्रधान प्रशासक मोहम्मद नफीस ने सभी पहलवानों का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान मिंटू त्रिवेदी, मो. साकिब, अखिलेश बाथम, श्रीबाबू, उमेश पाल, कमलेश यादव,और मंदिर के महंत अनमोल दास गिरी मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निरीक्षक अपराध बीरेंद्र बहादुर यादव और एसआई वीरपाल सिंह पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

कोतवाली के पास दुकानदारों में भिड़ंत, वीडियो वायरल

» स्वराज इंडिया संवाददाता

रसूलाबाद, कानपुर देहात। कोतवाली के पीछे स्थित धर्मगढ़ मंदिर परिसर में प्रसाद की दुकान लगाने वाले दो दुकानदारों के बीच रविवार शाम ग्राहकों को बुलाने को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में जमकर मारपीट शुरू हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। स्वराज इंडिया वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

बताया गया कि मंदिर परिसर में मुकेश गुप्ता और माया प्रसाद प्रसाद की दुकान लगाते हैं।

ग्राहकों को अपनी-अपनी दुकान पर बुलाने को लेकर दोनों के बीच काफी समय से कहासुनी होती रहती थी। आरोप है कि रविवार शाम विवाद बढ़ने पर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और लाठी-डंडों से मारपीट शुरू हो गई। विवाद की जानकारी मिलते ही दोनों पक्षों के समर्थक भी मौके पर पहुंच गए।

इसके बाद समर्थकों के बीच भी मारपीट होने लगी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को हिरासत में लेकर मामला शांत कराया।

जमीन विवाद में घर में घुसकर हमला, चार घायल

परिवार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर निष्पक्ष जांच की मांग की

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सिकंदरा थाना क्षेत्र के गोपालपुर डेरापुर गांव में भूमि विवाद को लेकर एक परिवार पर घर में घुसकर मारपीट करने का मामला सामने आया है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि पड़ोसी ने अपने परिजनों के साथ रात में घर में घुसकर गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। घटना में परिवार के चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।अक्षय कुमार के अनुसार, 23 अगस्त की शाम जमीन को लेकर पड़ोसी संत शरण से विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर उन्होंने डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाने के बाद चली गई। आरोप है कि रात करीब 10-30 बजे संत शरण अपने परिवार के सदस्यों के साथ उनके घर पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से परिवार के लोगों पर हमला कर दिया। मारपीट में अक्षय कुमार, उनकी पत्नी ममता देवी, बेटा और बेटी घायल हो गए। पीड़ित परिवार का आरोप है कि आरोपियों को बचाने के लिए पुलिस ने उनके मूल शिकायती पत्र में बदलाव कर हल्की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। इसी शिकायत को लेकर परिवार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर निष्पक्ष जांच, आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की। पुलिस ने संत शरण, उनकी पत्नी उर्मिला, बेटे प्रिंस और सीताराम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी सुधाकर सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

एसपी ऑफिस से शिकायत देकर वापस आते पीड़ित

बंद दाल मिल में खून से लथपथ मिला गार्ड का शव

चार दिन से लापता था 60 वर्षीय कमलेश अवस्थी, सिर पर गंभीर चोट, रॉड मिलने से हत्या की आशंका

मौके पर जांच करती पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रनियां थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर करीब एक बजे बंद पड़ी महावीर दाल मिल के अंदर 60 वर्षीय गार्ड कमलेश अवस्थी का शव खून से लथपथ हालत में मिलने से सनसनी फैल गई। उनके सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। शव के पास रॉड बरामद होने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

चिराना गांव निवासी कमलेश अवस्थी करीब एक माह पहले महावीर दाल मिल में गार्ड की नौकरी पर रखे गए थे।

मिल करीब आठ महीने से बंद बताई जा रही है। उनके बेटे कुलदीप के अनुसार, मिल में दो गार्ड तैनात थे, लेकिन दूसरा गार्ड छुट्टी पर था। ऐसे में कमलेश अकेले ही ड्यूटी कर रहे थे।

परिजनों के मुताबिक, रक्षाबंधन से एक दिन पहले गुरुवार से कमलेश घर नहीं लौटे थे। परिजन उनकी तलाश कर रहे थे।

सोमवार को मिल के अंदर पहुंचने पर उनका शव खून से लथपथ पड़ा मिला। घटनास्थल पर खून के निशान और शव के पास रॉड मिलने से हत्या की आशंका और गहरा गई।

सूचना मिलते ही रनियां थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल से खून के निशान समेत अन्य साक्ष्य जुटाए।

एसडीएम राजकुमार पांडेय, डिप्टी एसपी संजय सिंह और पूर्व सांसद अनिल शुक्ल वारसी ने भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

थाना प्रभारी सौरभ सिंह ने बताया कि परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। पुलिस हत्या और हादसे दोनों पहलुओं से जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट होगी।

राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित होंगे विनीत कुमार मिश्र

» रसूलाबाद के शिक्षक ने जिले का बढ़ाया मान, प्रदेश के 61 शिक्षकों का हुआ चयन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य और नवाचारों के लिए कानपुर देहात के शिक्षक विनीत कुमार मिश्र का चयन राज्य अध्यापक पुरस्कार-2025 के लिए हुआ है। रसूलाबाद ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय अन्ता में सहायक अध्यापक के पद पर6 कार्यरत विनीत कुमार मिश्र के चयन से जिले के शिक्षा जगत में खुशी की लहर है।

प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत 61 उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्य अध्यापक पुरस्कार-2025 के लिए चयनित किया गया है। शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर को आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में चयनित शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार के तहत प्रत्येक शिक्षक को 20 हजार रुपये की नकद राशि, प्रशस्ति पत्र और दो वर्ष का सेवा विस्तार दिए जाने की जानकारी दी गई है। राज्य स्तरीय समिति ने 13 से 19 अगस्त के बीच हुई बैठकों में शिक्षकों के शैक्षणिक कार्य, नवाचार, शिक्षण विधियों और विद्यालय के प्रति उनके योगदान का मूल्यांकन करने के बाद चयन की अंतिम संस्तुति की। कानपुर देहात के विनीत कुमार मिश्र का चयन जिले के लिए गौरव की बात माना जा रहा है। उनके चयन की जानकारी मिलते ही शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों और क्षेत्रीय लोगों ने खुशी जताई। शिक्षण कार्य में उनके योगदान और नवाचारों की सराहना करते हुए लोगों ने इसे जिले की उपलब्धि बताया है।

साहब ! बिजली दिलवा दो, 20 हजार की पौध बर्बाद हो जाएगी

» 20 हजार रुपये खर्च कर तैयार कराई टमाटर की पौध, बिजली न मिलने से फसल पर मंडरा रहा संकट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकासखंड मलासा क्षेत्र में उपकेंद्र मुतैहरापुर से जुड़े राजकीय नलकूप संख्या 182 व 191 की बिजली आपूर्ति लंबे समय से बाधित होने से किसानों के सामने सिंचाई का संकट खड़ा हो गया है।

धौकलपुर गांव के पास स्थित इन नलकूपों से जुड़े किसानों का आरोप है कि करीब डेढ़ माह से बिजली आपूर्ति सुचारु नहीं है। शिकायत के बाद कुछ समय के लिए बिजली आई, लेकिन महज दो घंटे बाद फिर बंद हो गई।धौकलपुर गांव निवासी नरेंद्र सिंह पुत्र अमर सिंह ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उन्होंने टमाटर की खेती की तैयारी में करीब 20 हजार रुपये खर्च कर पौध तैयार कराई है। नलकूप की बिजली बंद होने से समय पर खेतों की सिंचाई नहीं हो पा रही है। इससे पौध और फसल खराब होने का खतरा बना हुआ है। किसान का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया।किसान के मुताबिक नलकूप चालक और संबंधित विभागीय अधिकारियों से शिकायत के बाद बिजली आपूर्ति कुछ समय के लिए बहाल हुई थी, लेकिन करीब दो घंटे बाद फिर बंद हो गई। इससे किसानों की परेशानी कम होने के बजाय बढ़ गई है। नलकूप से सिंचाई पर निर्भर किसानों को अब निजी साधनों से खेतों की सिंचाई करनी पड़ रही है, जिससे खेती की लागत बढ़ रही है।

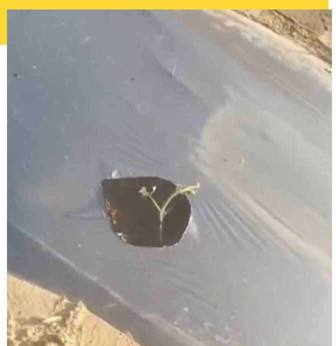

सूख रही टमाटर की पौध

नरेंद्र सिंह ने जिलाधिकारी से मामले की जांच कराकर राजकीय नलकूपों की बिजली आपूर्ति तत्काल बहाल कराने की मांग की है, ताकि समय रहते फसलों की सिंचाई हो सके और किसानों की मेहनत व लागत बर्बाद होने से बचाई जा सके। मामले में जिलाधिकारी कपिल सिंह ने जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया है। जिलाधिकारी के आश्वासन के बाद किसानों को उम्मीद है कि राजकीय नलकूपों की बिजली आपूर्ति जल्द सुचारु होगी और सिंचाई की समस्या से राहत मिलेगी।

वित्तविहीन शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा योजना का लाभ मिलने पर जताई खुशी

सेवा नियमावली और सम्मानजनक मानदेय की मांग अब भी बाकी

» वरिष्ठ संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। शिक्षक दिवस से पूर्व प्रदेश के वित्तविहीन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा योजना का लाभ दिए जाने का आदेश जारी होने पर माध्यमिक शिक्षक महासभा कानपुर देहात ने हर्ष व्यक्त किया है।

संगठन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी समेत अन्य शिक्षक विधायकों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों का आभार जताया है।

महासभा के जिलाध्यक्ष केशव सिंह और शिक्षक नेता अनुपम द्विवेदी ने कहा कि वित्तविहीन शिक्षक लंबे समय से कैशलेस चिकित्सा सुविधा, सेवा नियमावली और सम्मानजनक मानदेय की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। शिक्षक विधायकों ने भी सदन में लगातार इन मांगों को उठाया। अब वित्तविहीन शिक्षकों को माध्यमिक और बेसिक शिक्षकों की तरह कैशलेस चिकित्सा योजना का लाभ दिए जाने का आदेश जारी होने से शिक्षकों में खुशी है।

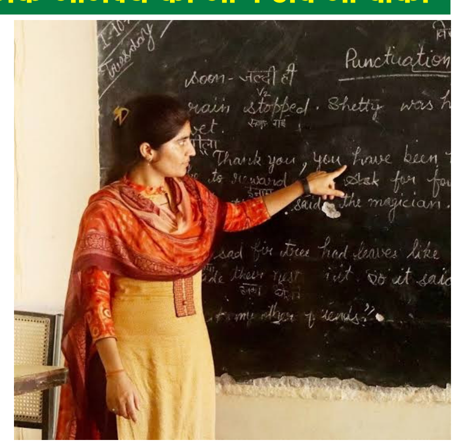

उन्होंने बताया कि प्रदेश में करीब 25,000 वित्तविहीन विद्यालय हैं, जिनमें लगभग 3.30 लाख शिक्षक कार्यरत हैं। अपनी मांगों को लेकर शिक्षक लखनऊ से लेकर दिल्ली तक आंदोलन कर चुके हैं। संगठन ने कहा कि चिकित्सा सुविधा की मांग पूरी होने के बाद अब सभी की निगाहें सेवा नियमावली और सम्मानजनक मानदेय पर टिकी हैं।

खुशी जताने वालों में केशव सिंह, वीरभान सिंह, सीएल वर्मा, अनुपम द्विवेदी, रामविलास यादव, अजय गुप्ता, ध्रुवकांत, मनोज तिवारी समेत बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल रहे।

फसल प्रदर्शनों का निरीक्षण कर किसानों को दी आधुनिक खेती की जानकारी

» खेतों में पहुंचकर धान व अन्य खरीफ फसलों की स्थिति देखी, किसानों से समस्याओं की जानकारी ली

» वरिष्ठ संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। विकासखंड मलासा के ग्राम कैलई, किशोरपुर समेत आसपास के गांवों में मंगलवार को उप कृषि निदेशक कानपुर देहात हरिशंकर भार्गव ने कृषि विभाग की योजनाओं के तहत लगाए गए फसल प्रदर्शनों का निरीक्षण किया। उन्होंने खेतों में पहुंचकर धान व अन्य खरीफ फसलों की स्थिति देखी और किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने निःशुल्क बीज मिनीकिट और उन्नत बीज से तैयार फसलों की वृद्धि व स्वास्थ्य का जायजा लिया। उन्होंने किसानों से वैज्ञानिक कृषि तकनीकों और संतुलित सस्य क्रियाओं को अपनाने की अपील की। उप कृषि निदेशक ने किसानों को धान की फसल में तना छेदक, पत्ती लपेटक, झुलसा व खैरा रोग के संभावित प्रकोप के प्रति सचेत किया। उन्होंने कहा कि किसान नियमित रूप से खेतों की निगरानी करें और रोग या कीट के शुरुआती लक्षण दिखाई देने पर कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार ही दवाओं का प्रयोग करें।

उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित प्रयोग से बचने तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर नैनो यूरिया, नैनो डीएपी और जैविक खाद के प्रयोग पर जोर दिया। साथ ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी देते हुए किसानों से समय पर फसल का बीमा कराने की अपील की। इस दौरान उन्होंने कृषि प्रसार कर्मियों को गांवों का नियमित भ्रमण कर किसानों को तकनीकी जानकारी देने तथा कृषि यंत्रीकरण, अनुदान और डीबीटी योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कृषि प्रसार अधिकारी, प्राविधिक सहायक और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

खाटू श्याम से लौट रहे श्रद्धालुओं की पिकअप ट्रक से भिड़ी, 6 श्रद्धालुओं की मौत

मैनपुरी के रहने वाले थे सभी श्रद्धालु, दोनों वाहन चालकों की तलाश में जुटी पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

मैनपुरी। हरियाणा के पलवल में कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में 6 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब मैनपुरी के श्रद्धालुओं से भरी पिकअप गाड़ी एक्सप्रेसवे पर खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई।

बताया गया कि उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले के किशनपुर मुरैया, मकोया, चांदा और आसपास के गांवों के श्रद्धालु धार्मिक यात्रा पर राजस्थान गए थे। सोमवार शाम सभी ने खाटू श्याम और सालासर बालाजी मंदिर में दर्शन किए थे। इसके बाद वे मथुरा-वृंदावन जाने के लिए पिकअप से रवाना हुए थे।मंगलवार तड़के पलवल क्षेत्र में केएमपी एक्सप्रेसवे पर पिकअप सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से पिकअप में फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकाला।पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने 6 श्रद्धालुओं को मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल 14 लोगों का उपचार कराया जा रहा है। घटना की जानकारी मैनपुरी पहुंचते ही मृतकों और घायलों के परिवारों में कोहराम मच गया।हादसे के बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि एक्सप्रेसवे पर ट्रक किस परिस्थिति में खड़ा था और पिकअप उससे कैसे टकराई।

हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल के आसपास की परिस्थितियों और उपलब्ध साक्ष्यों को भी खंगाला जा रहा है।

पुलिस के अनुसार हादसे के बाद दोनों वाहनों के चालक मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है।मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की गई है। साथ ही घायलों के परिजनों को घटना की सूचना दी गई।

धार्मिक यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं के साथ हुए इस दर्दनाक हादसे ने परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। एक साथ 6 लोगों की मौत से मैनपुरी के संबंधित गांवों में मातम पसरा हुआ है। वहीं घायल श्रद्धालुओं के परिजन उनके उपचार को लेकर अस्पताल में मौजूद हैं।पुलिस का कहना है कि हादसे की पूरी जांच की जा रही है।

फरार चालकों की तलाश के साथ दुर्घटना की परिस्थितियों का पता लगाया जा रहा है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पिकअप के परखच्चे उड़ गए

डेढ़ साल पहले सोशल मीडिया पर हुई दोस्ती, लव मैरिज के बाद हत्या !

» आधी रात पत्नी की हत्या कर पति फरार, बहन को कमरे में बंद कर गया; सुबह भाई ने खोला दरवाजा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

झांसी। सोशल मीडिया के जरिये शुरू हुई दोस्ती, फिर प्यार और करीब डेढ़ साल पहले हुई लव मैरिज... लेकिन यह रिश्ता खौफनाक अंत तक पहुंच गया। झांसी में शिवानी उर्फ सुधा की उसके ही घर में हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप उसके पति यश ठाकुर पर है। वारदात के बाद से यश फरार है। पुलिस ने कमरे से शिवानी का शव बरामद कर जांच शुरू कर दी है।बताया जा रहा है कि शिवानी मूल रूप से मध्यप्रदेश की रहने वाली थी, जबकि यश ठाकुर ग्वालियर का रहने वाला है। दोनों की दोस्ती सोशल मीडिया के जरिये हुई थी। दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदली और करीब डेढ़ साल पहले दोनों ने शादी कर ली। शादी के बाद दोनों साथ रह रहे थे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि हत्या की वजह क्या रही और दंपती के बीच ऐसा क्या विवाद हुआ, जिसके बाद मामला हत्या तक पहुंच गया।वारदात के दौरान शिवानी की बहन मुस्कान भी घर में मौजूद थी। बताया गया कि आधी रात के करीब शिवानी और यश अपने कमरे में चले गए। इसके बाद करीब 1:30 बजे यश ने मुस्कान से अपना बैग मांगा। आरोप है कि बैग लेने के बाद उसने मुस्कान के कमरे की कुंडी बाहर से लगा दी और वहां से फरार हो गया।

मुस्कान पूरी रात कमरे में बंद रही। सुबह करीब 9 बजे उसका भाई घर पहुंचा, तब कमरे का दरवाजा खोला जा सका। बाहर निकलने के बाद मुस्कान को घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिवानी के कमरे की जांच की तो उसका शव बरामद हुआ।

मृतका शिवानी

सोशल मीडिया की दोस्ती से शुरू हुई कहानी का खौफनाक अंत

शिवानी और यश की कहानी आज के बदलते रिश्तों की उस तस्वीर को भी सामने रखती है, जिसमें सोशल मीडिया के माध्यम से बने रिश्ते तेजी से शादी तक पहुंच रहे हैं। हालांकि यह कहना जल्दबाजी होगी कि इस वारदात का कारण उनकी लव मैरिज थी। हत्या के पीछे वास्तविक वजह क्या थी, यह पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।इस घटना ने परिवार और आसपास के लोगों को झकझोर दिया है। जिस रिश्ते की शुरुआत दोस्ती और प्यार से हुई थी, उसका अंत पत्नी की संदिग्ध हत्या और पति के फरार होने के रूप में हुआ। घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि शादी चाहे परिवार की पसंद से हो या अपनी पसंद से, रिश्ते में विश्वास, संवाद और आपसी सम्मान खत्म होने पर परिस्थितियां कितनी भयावह हो सकती हैं।पुलिस यश ठाकुर की तलाश में जुटी है। हत्या की वजह, वारदात का घटनाक्रम और दोनों के बीच चल रहे विवाद की जानकारी जुटाने के लिए पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही घटना की पूरी तस्वीर सामने आएगी।

घर में फंदे से लटके मिले युवक-युवती

युवक विवाहित था, युवती की शादी भी जल्द होने वाली थी, फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

आगरा। एत्मादपुर थाना क्षेत्र के रहनकलां गांव में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक घर के कमरे में युवक और युवती के शव एक ही फंदे से लटके मिले। दोनों शव युवती के घर से बरामद हुए। घटना के समय युवती के परिजन घर से बाहर गए हुए थे। प्रारंभिक तौर पर मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस ने अभी मौत की वजह को लेकर कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला है।

जानकारी के अनुसार 19 वर्षीय युवती अपने घर पर अकेली थी। उसके माता-पिता रविवार को अपने बेटे को दवा दिलाने फतेहाबाद गए थे। इसी दौरान युवक के युवती के घर पहुंचने की बात सामने आई है। सोमवार सुबह दोनों के शव कमरे में फंदे से लटके मिले। जानकारी होते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई।पुलिस के अनुसार युवक और युवती एक ही गांव और एक ही जाति के रहने वाले थे। युवती के पिता ने पुलिस को बताया कि उनके तीन बच्चे हैं और उनकी बेटी सबसे बड़ी थी। उन्होंने कहा कि उन्हें बेटी के युवक के साथ किसी तरह के संबंध होने की जानकारी नहीं थी।मामले में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी सामने आया है कि युवक पहले से विवाहित था। उसकी शादी 1 मई 2025 को राजस्थान के राजाखेड़ा क्षेत्र के छीतापुरा गांव की युवती से हुई थी। उसकी पत्नी करीब 2 महीने से अपने मायके में रह रही थी। युवक रैपिडो का काम करता था, जबकि उसका बड़ा भाई कुबेरपुर में कपड़ों की दुकान चलाता है।घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर कमरे और आसपास से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के साथ ही दोनों के संबंधों और घटना से पहले की परिस्थितियों की भी जांच कर रही है।युवक की मौत की सूचना मिलने पर उसके ससुरालीजन भी मौके पर पहुंच गए। एसीपी एत्मादपुर देवेश सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में रील बनाने पर रोक

☛ बिना अनुमति वीडियो बनाने और सोशल मीडिया पर डालने पर होगी कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर में अनुशासन बनाए रखने के लिए विद्यार्थियों के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब विश्वविद्यालय परिसर या विभागों में बिना अनुमति रील बनाने, वीडियो शूट करने और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करने पर रोक रहेगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले विद्यार्थियों के खिलाफ मामले की गंभीरता के आधार पर चेतावनी से लेकर निलंबन और विश्वविद्यालय से निष्कासन तक की कार्रवाई की जा सकती है। संशोधित अनुशासन नियमावली तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से तैयार की गई नई नियमावली में सामान्य अनुशासनहीनता से लेकर गंभीर अपराधों तक को अलग-अलग श्रेणियों में रखा गया है। अतिरिक्त नियंता डॉ. वेद प्रकाश राय ने बताया कि संशोधित नियमों की जानकारी शिक्षकों और छात्रावासों के वार्डेन को दे दी गई है। इनके माध्यम से विद्यार्थियों को भी नए प्रावधानों और उल्लंघन करने पर होने वाली कार्रवाई के बारे में जानकारी दी जाएगी।नए नियमों के तहत परिसर में फोटो खींचने, वीडियो बनाने या रील तैयार करके उसे सोशल मीडिया मंचों पर पोस्ट करने जैसी गतिविधियों के लिए विश्वविद्यालय की अनुमति आवश्यक होगी। प्रशासन का उद्देश्य परिसर में अनुशासन बनाए रखना और ऐसी गतिविधियों पर नियंत्रण करना है, जिनसे पढ़ाई, सुरक्षा या विश्वविद्यालय की गरिमा प्रभावित हो सकती है।विश्वविद्यालय की कक्षाओं, गलियारों और बरामदों में पान खाना, थूकना और धूम्रपान करना भी प्रतिबंधित किया गया है। इसके अलावा परिसर की दीवारों पर पोस्टर या विज्ञापन चिपकाना तथा विश्वविद्यालय की संपत्ति को नुकसान पहुंचाना अनुशासनहीनता माना जाएगा। बिना अनुमति बाहरी विद्यार्थियों को परिसर में प्रवेश दिलाना, तेज गति से वाहन चलाना, अनावश्यक शोर करना अथवा दूसरे विद्यार्थियों की सुरक्षा को खतरे में डालना भी दंडनीय श्रेणी में रखा गया है।छात्राओं के कॉमन रूम के सामने या उनके आने-जाने वाले रास्तों में अनावश्यक रूप से खड़े रहना और आपत्तिजनक व्यवहार करना भी नियमों के दायरे में शामिल किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ अभद्र या उद्दंड व्यवहार को भी गंभीरता से लेने का प्रावधान किया है।विद्यार्थियों के बीच दुर्व्यवहार, कक्षाओं और प्रयोगशालाओं के काम में बाधा डालना, मारपीट और रैगिंग को गंभीर अपराध की श्रेणी में रखा गया है। ऐसे मामलों में विश्वविद्यालय प्रशासन चेतावनी, अर्थदंड, विभिन्न सुविधाओं से वंचित करने, निलंबन, चरित्र प्रमाणपत्र निरस्त करने और निष्कासन तक की कार्रवाई कर सकता है।

शंखनाद, घंटा-घड़ियाल के बीच हरीश द्विवेदी का भव्य स्वागत

» राष्ट्रीय महामंत्री बनने के बाद पहली बार रामनगरी पहुंचे हरीश

» रानीमऊ से सरयू पुल तक दर्जनों स्थानों पर हुआ अभिनंदन

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो।

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री का दायित्व मिलने के बाद पहली बार अयोध्या पहुंचे हरीश द्विवेदी का जिले की सीमा रानीमऊ से लेकर सरयू पुल तक जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। शंखनाद, घंटा-घड़ियाल की गूंज और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। कई स्वागत स्थलों पर बुलडोजर से भी पुष्पवर्षा की गई।

जगह-जगह भगवा रंग से सजे मंचों और स्वागत द्वारों के बीच हरीश द्विवेदी का काफिला आगे बढ़ता रहा। हरीश द्विवेदी ने कहा कि अयोध्या से उनका आत्मीय और भावनात्मक जुड़ाव है। राष्ट्रीय नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का स्नेह और उत्साह उन्हें नई ऊर्जा देता है। भाजपा संगठन को और मजबूत करने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रहे जनकल्याणकारी कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य किया जाएगा।

रानीमऊ में विधायक रामचंद्र यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पांडेय 'बादल', अखंड प्रताप सिंह 'डिम्पल' और जिला पदाधिकारियों ने स्वागत किया। मवई में ब्लॉक प्रमुख राजीव तिवारी और रुदौली मंडल के कार्यकर्ताओं ने अभिनंदन किया। महोली में विधायक अमित सिंह चौहान की अगुवाई में स्वागत हुआ। रौनाही टोल प्लाजा पर पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी 'खब्बू' के नेतृत्व में 101 किलो की विशाल माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया। हरीपुर जलालाबाद में विधायक चंद्रभानु पासवान की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

महानगर क्षेत्र में प्रवेश के बाद त्रिमूर्ति होटल के सामने ब्लॉक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष एवं महानगर महामंत्री शिवेंद्र सिंह की अगुवाई में स्वागत हुआ। सहादतगंज ओवरब्रिज पर पूर्व विधायक गोरखनाथ ने अभिनंदन किया, जबकि गरुण द्वार पर महानगर पदाधिकारियों ने 51 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया। दिशा कोचिंग के सामने जिला पंचायत प्रशासक रोली सिंह तथा साकेतपुरी बैंक ऑफ बड़ौदा मोड़ पर पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र के नेतृत्व में स्वागत कार्यक्रम हुआ। रामाय होटल के पास अयोध्या नगर निगम के प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने कार्यकर्ताओं के साथ राष्ट्रीय महामंत्री का भव्य अभिनंदन किया।स्वागत करने वालों में कृष्ण कुमार पाण्डेय 'खुन्नू', अरविंद सिंह, तिलकराम मौर्या, भगवान बक्श सिंह, अभय सिंह, प्रवीण दुबे, शिवम शुक्ला, स्वाती सिंह, रीना द्विवेदी, गरिमा मौर्या, रवि सोनकर, दिवाकर सिंह रामप्रीत वर्मा, अमित मिश्र, वरुण चौधरी, देवता पटेल, विजय प्रताप सिंह, संजय सिंह 'राजू' सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने किया भव्य स्वागत

अयोध्या नगर निगम के प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय के नेतृत्व में राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा कि हरीश द्विवेदी का भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्व तक पहुंचना पूरे पूर्वांचल और उत्तर प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि संगठन में निरंतर सक्रियता, समर्पण और कार्यकर्ताओं से मजबूत जुड़ाव के कारण पार्टी नेतृत्व ने उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

फिर टूटा मंच, बाल-बाल बचे हरीश द्विवेदी

अयोध्या में राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी के स्वागत कार्यक्रम के दौरान भीड़ का दबाव बढ़ने पर एक मंच टूट गया। घटना हाईवे पर देवकाली के आगे साकेतपुरी मोड़ के पास पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र के स्वागत समारोह में हुई। मंच टूटने के दौरान हरीश द्विवेदी और अन्य नेता बाल-बाल बच गए। बताया जा रहा है कि इससे पहले बाराबंकी में स्वागत के दौरान भी एक मंच टूटने की घटना सामने आई थी।

अयोध्या की सियासत में फिर गूंज रहा ऋषिकेश उपाध्याय का नाम!

समीर शाही/ स्वराज इंडिया

» प्रथम महापौर के रूप में बनाई अलग पहचान» समाजसेवा और संगठनात्मक पकड़ ने 2027 की टिकट चर्चा में बढ़ाई दावेदारी

अयोध्या। 2027 के विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट के साथ रामनगरी की सियासत में संभावित प्रत्याशियों के नामों की चर्चा तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी ने पूर्व विधायक तेज नारायण पांडेय 'पवन' को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। अब भाजपा के पाले पर सबकी निगाहें हैं। इसी बीच राजनीतिक गलियारों में एक नाम लगातार मजबूती से उभर रहा है–पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय।भाजपा संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहे ऋषिकेश उपाध्याय को केवल पूर्व महापौर के रूप में नहीं, बल्कि संगठन से निकले ऐसे चेहरे के रूप में देखा जाता है, जिनकी पकड़ कार्यकर्ताओं से लेकर सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों तक बताई जाती है।

स्वराज विशेष

प्रथम महापौर, अलग राजनीतिक पहचान

वर्ष 2017 में अयोध्या नगर निगम बनने के बाद हुए पहले महापौर चुनाव में भाजपा ने ऋषिकेश उपाध्याय पर भरोसा जताया था। उन्होंने चुनाव जीतकर रामनगरी के प्रथम महापौर बनने का गौरव हासिल किया। उनका कार्यकाल आज भी अयोध्या की राजनीतिक चर्चाओं में याद किया जाता है।

समर्थकों का दावा है कि उनके कार्यकाल के दौरान नगर निगम की व्यवस्था को नई पहचान देने और विकास कार्यों को गति देने के प्रयास हुए। यही कार्यकाल अब उनकी राजनीतिक दावेदारी की महत्वपूर्ण पूंजी के रूप में देखा जा रहा है।

समाजसेवा और सहज व्यवहार बनी ताकत

ऋषिकेश उपाध्याय की पहचान केवल चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं मानी जाती। उनके समर्थकों के अनुसार धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों में उनकी सक्रिय भागीदारी रही है। छात्र-छात्राओं से जुड़े कार्यक्रम हों या जरूरतमंदों की सहायता–वे लगातार लोगों के संपर्क में रहे हैं।उनके करीबी लोग उनकी सरलता, सहजता और उपलब्धता को सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बताते हैं। राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि जरूरतमंदों की मदद को लेकर उनका तरीका अक्सर दिखावे से दूर रहा है।

संगठन की राजनीति में मजबूत पृष्ठभूमि

भाजपा की राजनीति में संगठनात्मक पृष्ठभूमि बड़ी भूमिका निभाती है और ऋषिकेश उपाध्याय का नाम इसी कारण चर्चा में है। विद्यार्थी परिषद, संघ और अन्य सामाजिक-संगठनात्मक गतिविधियों से लंबे जुड़ाव की वजह से पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं के बीच उनकी अलग पहचान मानी जाती है।

राजनीतिक जानकारों के अनुसार विधानसभा चुनाव में केवल जनाधार ही नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं की स्वीकार्यता और संगठनात्मक संपर्क भी निर्णायक साबित होते हैं। यही कारण है कि टिकट की चर्चाओं में ऋषिकेश उपाध्याय का नाम बार-बार सामने आ रहा है।

पवन के सामने क्या 'ऋषिकेश' होंगे भाजपा का दांव?

सपा ने पवन पांडेय को उम्मीदवार घोषित कर चुनावी मुकाबले को पहले ही दिलचस्प बना दिया है। अब भाजपा को ऐसा चेहरा तलाशना है, जो अयोध्या में संगठन के साथ-साथ जनता के बीच भी मजबूत उपस्थिति रखता हो।

यहीं से ऋषिकेश उपाध्याय की संभावित दावेदारी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। उनके समर्थकों का मानना है कि पूर्व महापौर का अनुभव,

संगठन की पृष्ठभूमि, कार्यकर्ताओं के बीच संपर्क और अयोध्या में वर्षों की सक्रियता उन्हें टिकट की दौड़ में मजबूती से खड़ा करती है।फिलहाल भाजपा की ओर से 2027 के लिए कोई आधिकारिक प्रत्याशी घोषित नहीं किया गया है और टिकट की दौड़ में कई नाम चर्चा में हैं। लेकिन राजनीतिक गलियारों में एक बात जरूर साफ दिखाई देने लगी है–

अयोध्या में भाजपा के संभावित प्रत्याशियों की चर्चा होगी तो ऋषिकेश उपाध्याय का नाम अब नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा। रामनगरी की सियासत का अगला बड़ा सवाल अब यही है–पवन के सामने भाजपा किसे उतारेगी? और क्या संगठन से निकला यह पुराना चेहरा एक बार फिर चुनावी मैदान में भाजपा की सबसे बड़ी पसंद बन सकता है?

विद्यालय की रीढ़ होते हैं शिक्षक और कर्मचारी: डॉ. मणिशंकर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो।

अयोध्या। एसएसवी इंटर कॉलेज में सोमवार को शिक्षक सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय में दीर्घकाल तक सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों और कर्मचारियों को सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई।

समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षक कृष्ण कुमार त्रिपाठी और विनोद शंकर मिश्रा को शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वहीं सेवानिवृत्त कर्मचारी छंगू प्रसाद और रामजी को भी निष्ठापूर्वक सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। पूर्व में सेवानिवृत्त हो चुके वरिष्ठ शिक्षक विनय कुमार श्रीवास्तव और डॉ. अलकेश दत्त पाठक को भी सम्मान प्रदान किया गया।

प्रधानाचार्य डॉ. मणिशंकर तिवारी ने कहा कि शिक्षक और कर्मचारी विद्यालय की रीढ़ होते हैं तथा सेवानिवृत्त सहकर्मियों का योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा। इस दौरान कई शिक्षकों ने अपने संस्मरण साझा किए। डॉ. अलकेश दत्त पाठक की स्वरचित कविता ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन विवेकानन्द पांडेय ने किया। अंत में शिक्षकों और कर्मचारियों ने उपहार देकर सेवानिवृत्त साथियों के सुखद एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

उफनती सरयू पर जान जोखिम में डालकर कर रहे सफर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो।

अयोध्या। सरयू की उफनाती लहरों के बीच ढेमवा घाट से नवाबगंज (गोंडा) जाने वाले यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि क्षमता से अधिक सवारियों को नावों में बैठाकर नदी पार कराई जा रही है और कई यात्री बिना लाइफ जैकेट के सफर करने को मजबूर हैं।गर्मी के दौरान गोंडा प्रशासन ने आवागमन के लिए पीपा पुल बनवाया था, जिसे करीब दो माह बाद हटा दिया गया। बाढ़ के दौरान गोंडा सांसद के हस्तक्षेप के बाद दो स्टीमर निशुल्क सेवा में लगाए गए, लेकिन यात्रियों की संख्या अधिक होने से वे नाकाफी साबित हो रहे हैं। इसी बीच दो निजी नावों के संचालन और यात्रियों से किराया वसूले जाने के आरोप भी सामने आए हैं।घाट पर सुरक्षा नियमों के बोर्ड लगे हैं, जिनमें लाइफ जैकेट पहनने और खराब मौसम में नाव न चलाने के निर्देश हैं, लेकिन यात्रियों के अनुसार इनका प्रभावी पालन नहीं हो रहा है। तहसील प्रशासन ने नाव और स्टीमर की व्यवस्था गोंडा जिले की ओर से होने की बात कही है।बाढ़ का पानी घटने के बाद भी कैथी माझा, मरौचा माझा और पटरंगा माझा सहित कई गांवों की मुश्किलें बरकरार हैं। करीब 850 परिवार और पांच हजार की आबादी हर वर्ष बाढ़ से प्रभावित होती है।

विवादित भूमि पर ताला तोड़ कब्जे का प्रयास, पुलिस की सक्रियता से टला मामला

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो।

अयोध्या। रामनगरी के रामघाट चौराहा स्थित माझा बरहटा उपरहार की गाटा संख्या 623 की विवादित भूमि पर न्यायालय के स्थगन आदेश के बावजूद कथित रूप से कब्जे का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है।

आरोप है कि विद्या मिश्रा की अगुवाई में 20 से 25 लोग ट्रॉली लेकर मौके पर पहुंचे और ताला तोड़कर ईंटें गिराते हुए कब्जे का प्रयास किया।

बताया गया कि भूमि का मामला अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन प्रथम की अदालत में विचाराधीन है और इस संबंध में न्यायालय का स्थगन आदेश प्रभावी है। सूचना मिलने पर कोतवाली अयोध्या के प्रभारी निरीक्षक पंकज सिंह की सक्रियता से कथित कब्जे के प्रयास को रोक दिया गया।मामले में अधिवक्ता दीपक तिवारी की ओर से विद्या मिश्रा समेत 20 से 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ कोतवाली अयोध्या में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई है।तहरीर में विद्या मिश्रा पर पूर्व के कुछ मामलों को लेकर गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ब्लादिमीर पुतिन संग नरेंद्र मोदी की 'कार डिप्लोमेसी'

एससीओ सम्मेलन से इतर दोनों नेता एक ही कार में पहुंचे कार्यक्रम स्थल

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक बार फिर दोस्ताना अंदाज देखने को मिला। दोनों नेता एक ही कार में सवार होकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे। दोनों नेताओं की साथ कार में यात्रा को कूटनीतिक हलकों में 'कार डिप्लोमेसी' के तौर पर देखा जा रहा है.इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच द्विपक्षीय मुलाकात हुई। बैठक के बाद दोनों नेताओं ने एक साथ कार से कार्यक्रम स्थल तक यात्रा की। दोनों नेताओं के बीच इस तरह की अनौपचारिक मुलाकात पहले भी चर्चा में रही है।

इससे पहले चीन के तियानजिन में आयोजित एससीओ सम्मेलन के दौरान भी मोदी और पुतिन एक साथ कार में नजर आए थे.प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात में भारत-रूस संबंधों के साथ-साथ कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का रुख दोहराते हुए युद्ध को समाप्त करने और शांति की दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया.प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध का प्रत्येक दिन मानवता को पीछे ले जाता है, जबकि शांति की दिशा में उठाया गया हर कदम दुनिया में नई उम्मीद पैदा करता है। भारत लगातार संवाद और कूटनीति के माध्यम से विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की वकालत करता रहा है.मोदी ने कहा कि भारत शांति की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का समर्थन करता है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने भारत की उस परंपरा का उल्लेख किया, जिसमें दुनिया को शांति और मानवता का संदेश दिया गया है। प्रधानमंत्री का यह संदेश ऐसे समय आया है, जब रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक प्रयास जारी हैं। बैठक के दौरान भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी बातचीत हुई। रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और निवेश सहित दोनों देशों के बीच सहयोग के क्षेत्रों की समीक्षा की गई। दोनों नेताओं ने भारत-रूस के पारंपरिक और रणनीतिक संबंधों को आगे मजबूत करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई.मोदी और पुतिन की एक साथ कार यात्रा को औपचारिक बैठक से अलग एक अनौपचारिक कूटनीतिक संवाद के रूप में भी देखा जा रहा है। दोनों नेताओं के बीच व्यक्तिगत संवाद और मैत्रीपूर्ण संबंध पहले भी कई मौकों पर दिखाई दे चुके हैं। ऐसे में एससीओ सम्मेलन के दौरान साथ कार में यात्रा ने एक बार फिर भारत-रूस संबंधों की गर्मजोशी को रेखांकित किया.एससीओ सम्मेलन के बीच प्रधानमंत्री मोदी की अन्य विदेशी नेताओं के साथ भी मुलाकातें हुईं। सम्मेलन में क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदस्य देशों के बीच विचार-विमर्श किया गया.भारत लगातार यह स्पष्ट करता रहा है कि युद्ध और संघर्ष किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हैं। रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर भी भारत का जोर संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान पर रहा है। पुतिन के साथ मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी का संदेश भी इसी नीति के अनुरूप रहा.मोदी और पुतिन की यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब वैश्विक राजनीति में कई मोर्चों पर तनाव बना हुआ है। ऐसे में दोनों नेताओं के बीच औपचारिक वार्ता के साथ-साथ एक ही कार में साथ यात्रा करना भारत और रूस के बीच मजबूत संबंधों का अहम कूटनीतिक संकेत माना जा रहा है।

पाकिस्तान में 100 साल पुराने हिंदू मंदिर पर चला बुलडोजर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 100 साल से अधिक पुराने हिंदू मंदिर को कथित तौर पर ढहाए जाने का मामला सामने आया है। मंदिर नारोवाल जिले के सिराज गांव में स्थित था और इसकी उम्र करीब 100 से 125 वर्ष बताई जा रही है। मंदिर लगभग 1,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में बना था। मंदिर को ढहाए जाने के बाद घटना को लेकर स्थानीय लोगों और अल्पसंख्यक संगठनों की ओर से सवाल उठाए गए हैं.रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय लोगों और कुछ राजनीतिक तथा अल्पसंख्यक संगठनों का आरोप है कि मंदिर को जानबूझकर ढहाया गया, ताकि उसकी जमीन को पास स्थित एक मदरसे के परिसर में शामिल किया जा सके।

आरोप यह भी है कि मंदिर को गिराने की कार्रवाई में तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान से जुड़े लोग शामिल थे.वहीं पाकिस्तान के सरकारी अधिकारियों की ओर से मंदिर को जानबूझकर गिराए जाने के आरोपों को खारिज किया गया है। अधिकारियों का दावा है कि भारी बारिश के कारण मंदिर की पुरानी इमारत ढह गई। इस दावे के बाद मंदिर को गिराए जाने की वास्तविक वजह को लेकर विवाद और गहरा गया है.बताया गया है कि यह मंदिर लंबे समय से क्षेत्र में हिंदू

समुदाय की धार्मिक और ऐतिहासिक विरासत का हिस्सा था। इसकी उम्र एक सदी से अधिक होने के कारण इसे स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल माना जाता था। मंदिर के ढहने की खबर सामने आने के बाद अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े संगठनों ने मामले पर गंभीर चिंता जताई है.मंदिर को लेकर सामने आए आरोपों में सबसे बड़ा सवाल उसकी जमीन को लेकर है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर की जमीन को पास के मदरसे के विस्तार में शामिल करने के उद्देश्य से इमारत को हटाया गया। हालांकि इस आरोप की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और पाकिस्तानी अधिकारियों ने मंदिर के बारिश के कारण ढहने की बात कही है.घटना ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर बहस छेड़ दी है। हिंदू समुदाय से जुड़े लोगों और संगठनों की ओर से धार्मिक स्थलों तथा उनकी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग उठती रही है।

उषा वेंस के मुद्दे पर भिड़े जेडी वेंस और अब्दुल अल-सईद

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका में मिशिगन सीनेट चुनाव को लेकर राजनीतिक घमासान तेज होता जा रहा है। इसी बीच अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल-सईद के बीच उनकी पत्नी उषा वेंस को लेकर तीखी जुबानी जंग छिड़ गई है। अल-सईद की एक टिप्पणी पर जेडी वेंस भड़क गए और उन्होंने अपनी पत्नी को राजनीतिक बहस में घसीटे जाने पर कड़ी नाराजगी जताई। मामला उस समय गरमाया जब अब्दुल अल-सईद ने जेडी वेंस की कुछ राजनीतिक टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए उनकी पत्नी उषा वेंस का संदर्भ दिया। इसके बाद वेंस ने अल-सईद पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए उन्हें निशाने पर लिया।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों को लेकर बहस हो सकती है, लेकिन उनकी पत्नी को इस विवाद में शामिल नहीं किया जाना चाहिए.मिशिगन में एक चुनावी कार्यक्रम के दौरान वेंस ने अल-सईद पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि चुनावी बहस नीतियों और जनता से जुड़े मुद्दों पर होनी चाहिए। किसी

उम्मीदवार के परिवार को निशाना बनाना राजनीतिक बहस का उचित तरीका नहीं है। वेंस ने अल-सईद को उनकी पत्नी का नाम राजनीतिक विवाद में नहीं घसीटने की कड़ी चेतावनी भी दी.विवाद के बीच अब्दुल अल-सईद ने भी वेंस के आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने अपनी टिप्पणी का बचाव करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य किसी की निजी जिंदगी को निशाना बनाना नहीं था, बल्कि वेंस के राजनीतिक विचारों और बयानों पर सवाल उठाना था। अल-सईद ने वेंस की नीतियों को लेकर भी अपनी आपत्तियां जाहिर कीं.जेडी वेंस और अब्दुल अल-सईद के बीच यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब मिशिगन में सीनेट चुनाव की राजनीतिक गतिविधियां तेज हो चुकी हैं। दोनों पक्षों की ओर से मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए जोरदार प्रचार किया जा रहा है। ऐसे में नेताओं के बीच बढ़ती बयानबाजी चुनावी माहौल को और गरमा रही है।

अब्दुल अल-सईद डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से मिशिगन सीनेट सीट के उम्मीदवार हैं। उनके सामने रिपब्लिकन उम्मीदवार माइक रोजर्स हैं। अल-सईद की उम्मीदवारी को लेकर अमेरिकी राजनीति में पहले से काफी चर्चा है और उनके चुनाव अभियान पर राष्ट्रीय स्तर पर भी नजर बनी हुई है। ऊषा वेंस को लेकर शुरू हुआ विवाद अब केवल व्यक्तिगत टिप्पणी तक सीमित नहीं रह गया है। दोनों पक्ष एक-दूसरे की राजनीतिक विचारधारा और बयानों को लेकर हमलावर हैं। इससे मिशिगन का सीनेट चुनाव और अधिक दिलचस्प होता जा रहा है.मिशिगन की सीनेट सीट पर होने वाला चुनाव दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में आने वाले दिनों में वेंस और अल-सईद के बीच बयानबाजी और तेज होने की संभावना है। फिलहाल उषा वेंस को लेकर शुरू हुआ विवाद अमेरिकी चुनावी राजनीति में चर्चा का नया मुद्दा बन गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर-208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86739 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com